संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 252
पृष्ठ 8
शनिवार
01 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शरीर में प्रोटीन की कमी...   विचार- गांधी को फिल्म से जानने वाले   खेल- टी२० विश्व कप में भारतीय एकादश..

गर्मी और लू से बचाव में न हो कोई चूक : योगी

- गांव हो या शहर, न हो अनावश्यक बिजली कटौती
- हीटवेव से बचाव के लिए आमजन को किया जाय जागरूक
- अयोध्या, काशी, मथुरा समेत सभी धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान
- मौसम पूर्वानुमान का जारी हो दैनिक बुलेटिन

लखनऊ, एजेंसी। गर्मी और लू को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों का अलर्ट करते हुए कहा कि किसी स्तर पर चूक न होने पाये। लोगों को जागरूक किया जाए।किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी।हीट वेब के चलते लोगों को दिक्कत हो रही है इसलिए सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी है कि जरूरी व्यवस्था की जाए। बिजली आपूर्ति चाहे शहर हो या गांव,बेवजह कटौती न की जाये। राहत आयुक्त स्तर से मौसम के पूर्वानुमान से भी आमजन को वाकिफ कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राणि उद्यानों,अभयारण्यों में हीट–वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन हो। गोशालाओं में पशुधन के चारे और पानी की उचित व्यवस्था रहे। बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराएं। कुछ दिनों से प्रदेश में भीषण गर्मी–लू का प्रकोप देखा जा रहा है। तापमान बढ़ रहा है।ऐसी स्थिति में आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए जाएं। राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर से मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए। तेज गर्मी,लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में गांव हो या शहर, बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। जरूरत हो तो अतरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था करें। ट्रांसफार्मर जलने,तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें। नगर निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। बाजार में,मुख्य मार्गों पर जगह–जगह पेयजल की व्यवस्था हो। सामाजिक धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। पेयजल का अभाव कहीं भी न हो। स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अयोध्या, काशी, मथुरा आदि सभी धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बड़ा मंगल के दृष्टिगत लखनऊ में साफ–सफाई, ट्रैफिक व अन्य व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से होना सुनिश्चित कराएं। भीषण गर्मी के बीच पशुधन और वन्य जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी प्राणि उद्यानों,अभयारण्यों में हीट–वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। पशुपालक कृषकों को हीट वेव की स्थिति में सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हों। गोशालाओं में पशुधन की हरे चारे–चोकर और पानी की उचित व्यवस्था हो। बरसात पूर्व पशुओं के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया जारी रखें। हीटवेव यानि लू के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए। बीमारी की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराएं। अस्पतालों,मेडिकल कॉलेजों में हीट–वेव से प्रभावित लोगों का तत्काल इलाज किया जाए।शहरों में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप की जाए, सभी हैंडपम्प को क्रियाशील रखा जाए, ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का सुचारू संचालन किया जाए। सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ का संचालन एक पुनीत कार्य, गोवंश, श्वान आदि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पानी एवं छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। पक्षियों के लिए छोटे बर्तनों में पानी एवं दाना रखने के लिए आम जन को करें जागरूक करें।

भारत के कई हिस्सों में लू चलने से 54 लोगों की मौत

दिल्ली और आसपास के इलाकों में धूल भरी आंधी की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य, पूर्वी और उत्तरी भारत में भीषण गर्मी के लगातार जारी रहने से कम से कम 54 लोगों की मौत हो गई और दिल्ली सहित कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। 31 मई से 1 जून के बीच उत्तर प्रदेश में और 31 मई को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में धूल भरी आंधी चलने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 31 मई से 2 जून के बीच उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गरज और बिजली के साथ बहुत हल्की/हल्की बारिश की भविष्यवाणी की गई थी। गुरुवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.2 डिग्री अधिक है। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में

79 साल का उच्चतम तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने के एक दिन बाद ऐसा हुआ। बिहार में लू से 32 लोगों की मौत हो गयी, जिनमें से 17 औरंगाबाद में, छह आरा में, तीन–तीन गया और रोहतास में, दो बक्सर में और एक पटना में हुई। ओडिशा के राउरकेला में 10 लोगों की मौत हो गई। झारखंड के पलामू और राजस्थान में पांच–पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक की मौत हो गई। इससे पहले बिहार के दरभंगा के रहने वाले 40 साल के एक शख्स की दिल्ली में लू लगने से मौत हो गई थी. उनके शरीर का तापमान सामान्य से लगभग 10 डिग्री अधिक 108 डिग्री फ़ारेनहाइट तक बढ़ने के बाद कई अंगों की विफलता के कारण उनकी मृत्यु हो गई। आईएमडी ने कहा कि गुरुवार को राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कई हिस्सों, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के अलग–अलग इलाकों में अधिकतम तापमान 45–48 डिग्री सेल्सियस के बीच था।

चार धाम यात्रा पर वीआईपी दर्शन पर लगी रोक, सरकार ने इस कारण लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। चारधाम की यात्रा को लेकर हिन्दू धर्म में मान्यता बेहद अहम है। इस वर्ष चार धाम की यात्रा 10 मई से शुरु हो चुकी है। इस यात्रा को लेकर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मंदिरों में वीआईपी दर्शन करने वालों की भी लंबी कतारें देखने को मिल रही है। वहीं भारी भीड़ को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने बड़ा फैसला किया है। उत्तराखंड सरकार ने भीड़ के मद्देनजर वीआईपी दर्शन पर कुछ दिनों के लिए रोक लगा दी है। ये रोक आगामी 10 जून तक के लिए लगाई गई है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है। इस पत्र में कहा गया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को सूचित किया गया है। राज्य में आने वाले सभी भक्तों को रजिस्ट्रेशन की जानकारी के संबंध में जागरुक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वॉलंटियर्स के सहयोग से चार धाम यात्रा राज्य में सुचारु रूप से चल रही है। चारधाम यात्रा के प्रबंधन में इससे काफी मदद मिली है। मुख्य सचिव ने भी अनुरोध किया है कि मंदिरों में श्रद्धालु भारी संख्या में उमड़ रहे है। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए आगामी 10 जून तक वीआईपी दर्शनों पर रोक लगाई गई है।

फोन टैपिंग मामले की जांच की मांग को लेकर भाजपा का धरना

हैदराबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने फोन टैपिंग मामले की व्यापक जांच कराये जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को यहां इंदिरा पार्क में धरना दिया। धरने में भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मण, विधायकों सहित भाजपा के तमाम नेताओं ने भाग लिया। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि असली दोषियों को पकड़ने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे हैं इसलिए राज्य सरकार निष्पक्ष जांच के लिए इस मामले को तुरंत केंद्रीय जांच ब्यूरो

(सीबीआई) को सौंप दे। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि जांच से पता चला है कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव फोन टैपिंग विवाद के पीछे मुख्य सरगना हैं। उन्होंने अब तक कोई महत्वपूर्ण कार्रवाई न करने के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि जांच के दौरान कई सनसनीखेज विवरण सामने आए हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार ऐसे काम कर रही है, जैसे मामले को नजरअंदाज किया जा रहा हो। उन्होंने सवाल उठाया कि इन खुलासों के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है, खासकर तब जब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले ही कहा था कि अगर कोई गलत काम करेगा, तो वह उसे जेल भेज देंगे। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना घोटाले और लोक सेवा आयोग के प्रश्नपत्र लीक पर भी चिंता जताई और कहा कि पुलिस अधिकारियों और केसीआर की संलिप्तता से फोन टैपिंग की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों और न्यायाधीशों के फोन भी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए टैप किए जा रहे हैं।

महंगाई और बेरोजगारी बड़ा मुद्दा, खड़गे बोले–

इस बार पीएम मोदी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेगी देश की जनता

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस बार महंगाई और बेरोजगारी बड़ा मुद्दा रहा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश की जनता पीएम मोदी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वह (पीएम मोदी) कुछ भी कहें, देश की जनता ने तय कर लिया है कि वे पीएम मोदी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेंगे। इस चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी काम आई है। लोगों के मन में संविधान और लोकतंत्र का मुद्दा भी है। दक्षिण को लेकर उन्होंने कहा कि आंध्र में, उन्हें (भाजपा को) कुछ (सीटें) मिलेंगी लेकिन तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र में...कांग्रेस को फायदा है। खड़गे ने कहा कि यूपी में भी गठबंधन से हमें ज्यादा सीटें मिलेंगी। मुझे लगता है कि गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कई लोग समझ गए हैं कि वे (भाजपा) आरक्षण कैसे खत्म कर रहे हैं।' अगर

उनकी मंशा अच्छी होती तो वे केंद्र सरकार में 30 लाख रिक्तियां भर देते और आधे से ज्यादा गरीबों, दलितों और पिछड़ों को मिल जातींजब तक इस देश में छुआछूत है और उन्हें (आरक्षित श्रेणियों के लोगों को) समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक आरक्षण रहेगा। खड़गे ने कहा कि देश की जनता चार जून को वैकल्पिक सरकार का जनादेश देगी और इंडिया गठबंधन नयी सरकार का गठन करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता ने विपक्ष एवं कांग्रेस की इस बात पर मुहर लगा दी है कि अगर मोदी सरकार फिर से आई तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। खड़गे ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने बांटने की कोशिश की लेकिन लोगों ने असली मुद्दों को चुना। उनका कहना था, हमें विश्वास है कि जनता चार जून को वैकल्पिक सरकार का जनादेश देगी और इंडिया गठबंधन नयी सरकार बनाएगा। उन्होंने महात्मा गांधी के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि या तो प्रधानमंत्री अनजान है या फिर उन्होंने पढ़ा नहीं है।

सोशल मीडिया पर मतदाता जागरूकता में राजस्थान देशभर में अव्वल रहा

जयपुर, एजेंसी। आम चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर मतदाता जागरूकता में राजस्थान देश में अव्वल रहा और उसने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सोशल मीडिया रैंकिंग में संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा देशभर में विभिन्न सोशल मीडिया मंच ('एक्स', इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब) पर मतदाता जागरूकता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग जारी गई है। आयोग द्वारा अप्रैल माह में सोशल मीडिया के प्रदर्शन के आधार पर जारी रैंकिंग में राजस्थान और झारखंड ने संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया है। सीईओ राजस्थान के 'एक्स', इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब अकाउंट्स पर पोस्ट की गई सामग्री को अप्रैल माह में करीब 11 लाख बार देखा गया।

देश को तानाशाही से बचाने के लिए जा रहा जेल : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि देश को तानाशाही से बचाने के लिए वह जेल जा रहे हैं। श्री केजरीवाल ने अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने से पहले आज दिल्लीवासियों को भावुक संदेश दिया। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 21 दिन की मोहलत देने के लिए

उच्चतम न्यायालय का धन्यवाद किया और दिल्लीवालों से कहा कि वह दो जून को दोपहर तीन बजे आत्मसमर्पण करने के लिए घर से निकलेंगे। उन्होंने दिल्लीवासियों को चिंता नहीं करने की सलाह देते हुए कहा, "चाहे जहां रहूं, लेकिन आपकी 24 घंटे व मुफ़्त बिजली, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा समेत सारे काम चलते रहेंगे। हमें तोड़ने–झुकाने की खूब कोशिश की, पर सफल नहीं हुए। मुझे फक्र है कि देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। आपने हर मुश्किल वक्त में एक परिवार की तरह मेरा साथ दिया है।" उन्होंने कहा, "जेल में 50 दिन रहा। इन दिनों में छह किलो वजन कम हो गया। जेल से छूटने के बाद भी मेरा वजन नहीं बढ़ रहा है। डाक्टरों का कहना है कि यह शरीर में किसी बड़ी बीमारी का भी संकेत हो सकता है। कई टेस्ट करवाने की जरूरत है। हो सकता है कि ये इस बार मुझे और ज्यादा प्रताड़ित करें, लेकिन मैं झुकुंगा नहीं।"

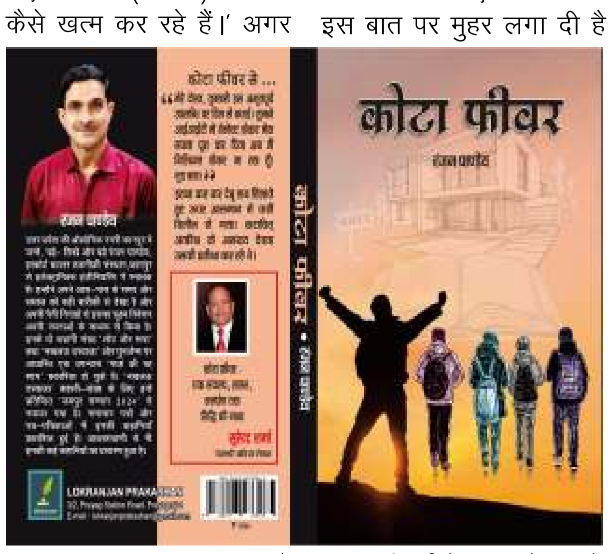

राजस्थान का एक शहर कोटा जहां प्रतिवर्ष देश भर से लाखों विद्यार्थी अपने सपनो की मंजिल की तलाश में आते हैं। यहां आई आई टी प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने आये चार किशोरों को केंद्र बिंदु बनाकर मैंने "कोटा फीवर" उपन्यास लिखा है। इस उपन्यास के बारे में पद्मश्री कवि और लेखक सुरेंद्र शर्मा जी लिखते हैं कि यह उपन्यास संकल्प,साहस,समर्पण तथा सिद्धि की गाथा है। इसमे पाठक कस्बाई जीवन की विवशता,माता–पिता की संतान के प्रति अपेक्षाएं,छात्र जीवन की बेतकल्लुफ जीवन शैली की झलक देखने के साथ किशोर मन की हिलोरें मार रही प्रेम तरंगों के भी गवाह बनते हैं।

उपन्यास शीघ्र ही अमेजन पर उपलब्ध होगा इसके अतिरिक्त पाठक प्रकाशन से भी इसे सीधे मंगा सकते हैं।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में फैसला सुरक्षित

मुस्लिम पक्ष ने कहा– मामला सुनने योग्य नहीं, हिंदू पक्ष बोला– नियमों के खिलाफ दी गई जमीन

प्रयागराज श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह विवाद मामले में दायर 18 याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज सुनवाई पूरी की। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। गर्मी की छुट्टियों के बाद कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। जिसमें तय हो जाएगा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिका सुनने योग्य है या नहीं। हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 याचिकाओं को शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में ऑर्डर 7, रूल 11 के तहत चुनौती दी। शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने बहस के दौरान कहा– मथुरा कोर्ट में दाखिल याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। मामला पूजा स्थल अधिनियम 1991 और वक्फ एक्ट के साथ लिमिटेशन एक्ट से बाधित है। इसलिए इस मामले में कोई भी याचिका न तो दाखिल की जा सकती है और न ही उसे सुना जा सकता है। हिंदू पक्ष की तरफ से कहा गया– इस मामले पर न तो पूजा स्थल अधिनियम का कानून और न ही वक्फ बोर्ड कानून लागू होता है। शाही ईदगाह परिसर जिस जगह मौजूद है वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन है। समझौते के तहत मंदिर की जमीन को शाही ईदगाह कमेटी को दी गई है। जो नियमों के खिलाफ है।

हिंदू पक्षकारों के तर्क

- ढाई एकड़ में बना शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं है।
- ईदगाह में केवल साल भर में 2 बार नमाज पढ़ी जाती है।
- ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ का एरिया भगवान का गर्भगृह है।
- सियासी षड्यंत्र के तहत ईदगाह का निर्माण कराया गया था।
- प्रतिवादी के पास कोई ऐसा रिकॉर्ड नहीं है।
- सीपीसी के आदेश–7, नियम–11 इस याचिका में लागू नहीं होता है।
- मंदिर तोड़कर मस्जिद का अवैध निर्माण किया गया है।
- जमीन का स्वामित्व कटरा केशव देव का है।
- बिना स्वामित्व अधिकार के वक्फ बोर्ड ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के वक्फ संपत्ति घोषित कर दी।
- भवन पुरातत्व विभाग से संरक्षित घोषित है।
- एएसआई ने नजूल भूमि माना है। इसे वक्फ संपत्ति नहीं कह सकते।

मुस्लिम पक्षकारों की दलीलें

- समझौता 1968 का है। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं। मुकदमा चलने लायक नहीं।
- प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के तहत मुकदमा आगे ले जाने के काबिल नहीं है।
- 15 अगस्त 1947 वाले नियम के तहत जो धार्मिक स्थल जैसा है वैसा रहे, उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते।
- लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम के तहत इस मामले को देखा जाए।
- वक्फ ट्रिब्युनल में सुनवाई हो, यह सिविल कोर्ट में सुना जाने वाला मामला नहीं।
- ईदगाह मस्जिद साल 1670 में औरंगजेब ने बनवाई थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि मस्जिद को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बनाया गया है। उन्होंने इसे वहां से हटाने की मांग की है।
- ईदगाह मस्जिद साल 1670 में औरंगजेब ने बनवाई थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि मस्जिद को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बनाया गया है। उन्होंने इसे वहां से हटाने की मांग की है।

पिछली सुनवाई में क्या हुआ था

5 घंटे तक सुनवाई चली। इस दौरान शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा। वकीलों ने मांग किया कि मथुरा कोर्ट में दाखिल वाद को खारिज किया जाए। हिंदू पक्षकारों के वकीलों ने इसका विरोध किया। अदालत ने फिर 30 मई को सुनवाई का आदेश दिया था।

हिंदू पक्ष ने कई याचिका पर बहस पूरी की थी

30 मई को हुई सुनवाई में हिंदू पक्ष ने अपनी बहस पूरी की थी। इसके बाद आज मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलील पेश की। अभी तक की सुनवाई में हिंदू पक्ष मामले को राम जन्मभूमि की तर्ज कर सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग कर रहा है। जबकि मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि मामले में आगे की सुनवाई न हो। मुस्लिम पक्ष मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रखी।

प्रयागराज में लखनऊ के डॉक्टरों पर धोखाधड़ी का केस

प्रयागराज। प्रयागराज के कर्नलगंज थाने में मेदांता अस्पताल लखनऊ के डॉ. संदीप मिश्रा, डॉ. राकेश सेंगर, अजय प्रताप सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। एफआईआर म्योर रोड कर्नलगंज की रहने वाली डॉ. गरिमा दुबे ने दर्ज कराई है। मामला रुपये हड़पने का है। महिला डॉक्टर का आरोप है कि रुपये हड़पने के बाद उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। डॉ. गरिमा दुबे ने पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि डॉ.संदीप मिश्रा निवासी राजाजीपुरम लखनऊ वर्तमान में मेदांता अस्पताल लखनऊ में कार्यरत हैं। गरिमा का कहना है कि डॉ. संदीप ने उनसे बताया था कि एक स्कीम में पैसा लगाने पर दोगुना मुनाफा मिलेगा। महिला डॉक्टर का कहना है कि उन्होंने 40 लाख रुपये लगा दिए। उन लोगों ने इसका मुनाफा दिया।

मुनाफा देने के बाद बिगड़ा खेल : इसके बाद अगस्त 2022 में संदीप के कहने पर राकेश सेंगर को दस लाख रुपये नकद दे दिए। यह बताया गया कि रकम स्कीम संचालक अजय प्रताप सिंह को दे दी जाएगी। छह अक्तूबर को पुनरू गरिमा ने दस लाख रुपये इस आश्वासन पर दिया कि दिसंबर 2022 में पूरी रकम मुनाफे के साथ वापस कर दी जाएगी। इसके बाद मामला पलटने लगा। तय समय पर मुनाफे की रकम और मूल दोनों नहीं दिए गए तो गरिमा ने दबाव बनाया। इस पर अजय ने धमकी दी और फोन पर बातचीत बंद कर दी। इसके बाद महिला डॉक्टर ने संदीप से बात की, तो कुछ रुपये संदीप ने लौटाए। तब से अब तक रुपये नहीं लौटाए गए। डॉ. गरिमा का कहना है कि संदीप से मामले की शिकायत पुलिस में करने की बात कही तो गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। अधिकारियों ने मामले की जांच कराने के बाद गुरुवार को कर्नलगंज थाने में केस दर्ज करा दिया।

प्रयागराज में गर्मी से किसान की मौत

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में गुरुवार को मां का दाह संस्कार करके घर लौटे बेटे की गर्मी से मौत हो गई। एक ही दिन मां और बेटे की मौत से घर में कोहराम मचा है। घर की मुखिया की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है। मामला उतरांव थाना क्षेत्र के सिठौली बाजार का है। यहां का रहने वाला नन्हेंलाल बिंद खेती किसानी के अलावा मजदूरी कर जीवन यापन करता था। सुबह उसकी 85 वर्षीय माता बिलासी देवी की मौत हो गई थी। नन्हें लाल बिंद ने मां के शव लीलापुर घाट पर ले गया। जहां दोपहर में गंगा के किनारे दफन किया गया। गर्मी की वजह से नन्हेंलाल बिंद की तबीयत बिगड़ गई थी। गुरुवार देर शाम को वह जैसे ही घर पहुंचा। थोड़ी ही देर में जान निकल गई। नन्हेंलाल बिंद घर का मुखिया था। उनकी मौत से घर में कोहराम मच गया। बीवी बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। रात में ही परिजनों उनका भी शव लीलापुर घाट पर ले जाकर दफन कर दिया।

गांव में सन्नाटा पसरा : नन्हें लाल के तीन बेटे और एक बेटी हैं। घर में एक ही दिन दो लोगों की मौत ने घर वालों को झकझोर कर रख दिया है। घर की मुखिया की मौत से घर में आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। साथ ही गांव में सन्नाटा पसरा है।

प्रयागराज में करंट से युवक की मौत

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में भीषण गर्मी का कहर जारी है। गर्मी से निजात पाने के लिए पंखा ठीक कर रहा युवक करंट की चपेट में आ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया है। फूलपुर कोतवाली के इफ्को पुलिस चौकी क्षेत्र के भरौटी–हैबतपुर की है। यहां का रहने वाले ऋषभ यादव उर्फ अंकुर (24) प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। रात में उसके कमरे में लगा छत का पंखा खराब हो गया। वह पंखे की मरम्मत करने लगा।

प्रयागराज में डबल ब्रेकर के पास गिरकर युवक की मौत

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में स्कूल के सामने बने डबल ब्रेकर से कई राहगीर चोटिल हो गए और कई ने अपनी जान गंवा दी। देरशाम पिंटू वनवासी किसी काम से जंघई की तरफ जा रहा था। सरायममरेज थाना क्षेत्र के चंपापुर में स्कूल के सामने बने डबल ब्रेकर से गिरकर बाइक सवार घायल हो गया। सरायममरेज पुलिस ने घायल को प्रतापपुर सीएचसी भेज दिया। युवक की हालत को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल भेज दिया। युवक की मौत से नाराज परिजनों ने अनुवा रोड को जामकर कर दिया। सरायममरेज पुलिस के साथ पीडब्ल्यूडी विभाग के ठेकेदार एवं जेई भी पीड़ित परिजनों को समझाते रहे, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हुए।

परिजनों ने किया हंगामा : जिम्मेदार अधिकारी अपना पल्ला झाड़ते हुए मामले में लीपा पोती करने में लगे रहे। परिजनों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग को लेकर जमकर किया हंगामा।

प्रयागराज में सरेआम फायरिंग करने वाला अरेस्ट

प्रयागराज। प्रयागराज में जार्जटाउन के हाशिमपुर रोड इलाके में सड़क पर फायरिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। झगड़े के बाद सड़क पर तमंचे से फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की शिनाख्त की और उसे दबोच लिया। जार्जटाउन पुलिस ने राज उर्फ छोटू उर्फ रोमियो निवासी संजय नगर अल्लापुर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो कारतूस बरामद हुए। नामजद आरोपी रितिक भारतीया, रजत, अजय, भोला, राहुल की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। बुधवार रात फोटो खींचने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। थाना प्रभारी जार्जटाउन राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि अभिषेक भारती नामक युवक फोटो खींच रहा था। राज ने मना किया तो विवाद हो गया। इसके बाद मारपीट हुई। किसी ने पूरा वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद जांच शुरू हुई तो आरोपी छोटू की सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो से पहचान हुई। फुटेज में वह सबसे पहले मारपीट करते हुए दिखा है। पकड़े गए आरोपी पर कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। मामले में 7 सीएलए की धारा बढ़ाकर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

प्रयागराज में सड़क किनारे बेहोश मिला हाथरस का युवक

प्रयागराज। प्रयागराज के अटाला इलाके में शुक्रवार दोपहर हाथरस के रहने वाले आशीष सिंह को संदिग्ध हालत में सड़क किनारे बेहोश पाया गया। अटाला में माली पार्क के पास आशीष को सड़क किनारे पड़ा देख लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो 112 की टीम ने पहुंच उसे कॉल्विन अस्पताल में भी कराया। आशीष सिंह के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। आशीष सिंह हाथरस के रहने वाले देवेंद्र सिंह का बेटा है। उसकी उम्र 28 साल के करीब है। खुल्दाबाद पुलिस ने आशीष के घरवालों से संपर्क कर उन्हें जानकारी दी है।

हेड कॉन्स्टेबलों और ड्राइवरों का प्रमोशन क्यों नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी, पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में तैनात हेड कांस्टेबल ड्राइवरों एवं हेड कांस्टेबल सशस्त्र पुलिस को दरोगा के पद पर पदोन्नति न देने के सम्बन्ध में यूपी पुलिस के आलाधिकारियों से जवाब तलब किया है। इलाहाबाद, आगरा, कानपुर नगर, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मुजफ्फरनगर, बरेली, वाराणसी गोरखपुर, बांदा, मिर्जापुर व कई अन्य जिलों में तैनात सैकड़ों मुख्य आरक्षी ड्राइवरों एवं मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस ने अलग–अलग ग्रुप वाइज इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर समानता के अधिकार के तहत उप–निरीक्षक ड्राइवर व उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस के पद पर पदोन्नति देने की मांग की है। उक्त प्रकरण में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने उप्र पुलिस विभाग के प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी उ प्र, पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष, डीआईजी स्थापना ध् कार्मिक तथा एडीजी लॉजिस्टिक उप्र से आठ सप्ताह में जवाब तलब किया है। पूछा है कि याचीगणों को अभी तक उपनिरीक्षक के पद पदोन्नति क्यों नहीं प्रदान की गई जबकि याचीगणों से जूनियर बैच के आरक्षीगण सिविल पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर चुकें है।

1984 से 1990 बैच तक के आरक्षियों के प्रमोशन का मामला

याचीगणों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अतिप्रिया गौतम का कोर्ट में तर्क था कि सभी याचीगण वर्ष 1984 से वर्ष 1990 के बीच आरक्षी के पद पर पीएसी में भर्ती हुए थे। बाद में याचीगणों को पीएसी से सशस्त्र पुलिस में वर्ष 2000 – 2002 में तबादला कर दिया गया। तत्पश्चात याचीगणों ने ड्राइवर का कोर्स किया एवं याचीगणों को आरक्षी चालक के पद पर पोस्टिंग प्रदान की गयी। सभी याचीगणों को वर्ष 2017–2018 में मुख्य आरक्षी ड्राइवर के पद पर प्रोन्नति प्रदान की गई। याचीगणों का कहना था कि उनसे सैकड़ों जूनियर आरक्षी 1991 बैच तक के उपनिरीक्षक के पद पर सिविल पुलिस में पदोन्नति प्राप्त कर चुकें है। जबकि याचीगण 1984 से 1990 बैच तक के आरक्षी है, परन्तु उन्हें उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति नहीं प्रदान की गयी है, जो कि समानता के अधिकार के विरूद्ध है। याचीगणों का कहना था कि मुख्य आरक्षी से उपनिरीक्षक मोटर परिवाहन के पद पर शत–प्रतिशत रिक्तियां अनुपयुक्तो को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर प्रोन्नति द्वारा ऐसे मुख्य आरक्षी परिवाहन में से भरी जायेंगी। जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को 3 वर्ष की सेवाएं पूर्ण कर ली है एवं मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिसध् सिविल पुलिस से उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस ध् सिविल पुलिस के पद पर भर्ती के लिए मुख्य आरक्षी के पद पर 3 वर्ष की सेवायें पूर्ण होनी चाहिए। कहा गया था कि पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर अनुपयुक्तों को छोड़कर की जाने की प्रक्रिया है। याचीगणों की ओर से कहा गया है कि उ०प्र० के गृह सचिव लखनऊ द्वारा जारी शासनादेश दिनांक 30 अक्टूबर 2015, 18 अक्टूबर 2016 एवं 12 मार्च 2016 के तहत आरक्षी सशस्त्र पुलिस के कुल स्वीकृत पदों को आरक्षी नागरिक पुलिस के पदो के साथ पुलिस विभाग में आरक्षी पुलिस के पद में समाहित कर दिया गया है। आरक्षी सशस्त्र पुलिस एवं आरक्षी नागरिक पुलिस को एक ही संवर्ग (आरक्षी उ० प्र० संवर्ग के रूप में माना जायेगा)। हाईकोर्ट ने भी सुनील कुमार चौहान व अन्य के केस में कानून की यह व्यवस्था प्रतिपादित कर दी है कि पीएसी, सिविल पुलिस एवं सशस्त्र पुलिस एक ही संवर्ग ध् कैडर की शाखाएं है एवं सभी को एक ही संवर्ग में माना जायेगा। सभी याचीगण या तो एसपीध् एसएसपी ध् डीआईजीध्आईजी ध् एडीजी व अन्य पुलिस के आलाधिकारियों की गाड़ी चला रहे है या सशस्त्र पुलिस के मुख्य आरक्षी माननीयों की सुरक्षा में तैनात है।

हर साल 9 लाख लोगों की जान ले रहा तंबाकू

प्रयागराज की कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया तिवारी ने बताया कि लड़कियां भी ई–सिगरेट की लती

प्रयागराज। तंबाकू किसी स्वीट पॉइजन से कम नहीं है। जोकि धीरे–धीरे लोगों की जान ले रहा है। कमला नेहरू कैंसर हॉस्पिटल की वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया तिवारी का कहना है कि तंबाकू भारत में हर साल 9 लाख लोगों की जान ले रहा है। इसके बावजूद सिगरेट, बीड़ी और खैनी खाने वालों की संख्या में कमी नहीं आ रही है। आज (31 मई) विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जा रहा है। वह कहती हैं कि तंबाकू यानी सिगरेट का सेवन सिर्फ बड़े–बुजुर्ग ही नहीं बल्कि युवा और खासकर लड़कियां भी कर रही हैं। इन दिनों शहर में ई–सिगरेट का प्रचलन बढ़ रहा है जिसकी लत में युवा फंसता जा रहा है। यह ई–सिगरेट भी बहुत हानिकारक होता है क्योंकि इसमें नीकोटीन होता है। लड़कियां शौकियां इसका सेवन कर रही हैं लेकिन वह कितना भयावह है इसका अंदाजा तक नहीं है।

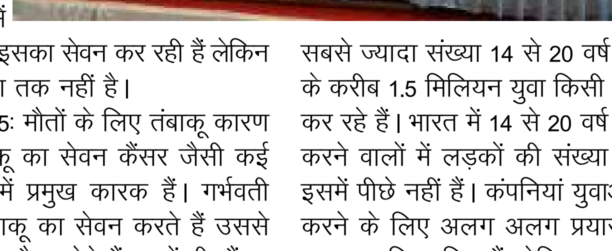

फेफड़ों के कैंसर से होने वाली 25: मौतों के लिए तंबाकू कारण

डॉ. सोनिया कहती हैं कि तंबाकू का सेवन कैंसर जैसी कई जानलेवा बीमारियों को जन्म देने में प्रमुख कारक हैं। गर्भवती महिलाएओं के घर में यदि कोई तंबाकू का सेवन करते हैं उससे उनपर असर पर पड़ता है। जो बच्चा पैदा होते हैं उनमें भी कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। भारत में प्रतिवर्ष करीब डेढ़ लाख लोगों की मौत सेकेंड हैंड स्मोकिंग की वजह से हो जाती है। यानी वह खुद तो स्मोकिंग नहीं करते हैं लेकिन दूसरों की स्मोकिंग के चलते वह प्रभावित हो जाते हैं। जैसे घर में या ऑफिस में कोई लगातार स्मोकिंग करता है तो उस धुएं का असर बगल में बैठे लोगों को भी पड़ता है जिससे वह भी प्रभावित हो जाता है। दरअसल, यह तंबाकू एक धीमा जहर है जो सेवन करने वाले व्यक्ति को मौत की मुंह की तरफ धकेलता है।

14 से 20 वर्ष की युवा तंबाकू की लत में

डॉ. सोनिया तिवारी कहती हैं कि यह बहुत चौंकाने वाला मामला है। तंबाकू लेने वालों में सबसे ज्यादा संख्या 14 से 20 वर्ष तक के युवाओं की है। इस उम्र के करीब 1.5 मिलियन युवा किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। भारत में 14 से 20 वर्ष के युवाओं में तंबाकू का उपयोग करने वालों में लड़कों की संख्या ज्यादा है लेकिन लड़कियां भी इसमें पीछे नहीं हैं। कंपनियां युवाओं को तंबाकू की ओर आकर्षित करने के लिए अलग अलग प्रयास करती हैं। इसमें ई–सिगरेट, पाउच आदि शामिल हैं, लेकिन युवा यह नहीं समझना चाहते हैं कि यह भी कम नुकसानदायक नहीं है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन एवं फेरों में वृद्धि

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन एवं फेरों में वृद्धि का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं. 05295/05296 मुज़फ़्फ़रपुर जं.-सिकंदराबाद-मुज़फ़्फ़रपुर जं. साप्ताहिक एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

05295 मुज़फ़्फ़रपुर जं.-सिकंदराबाद			05296 सिकंदराबाद-मुज़फ़्फ़रपुर जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	13:00	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	21:00	—
21:05	21:10	प्रयागराज छिवकी	11:40	11:45
23:30	23:32	मानिकपुर	09:20	09:22
22:00	—	सिकंदराबाद	—	10:00

- मुज़फ़्फ़रपुर से : गाड़ी सं. 05295, दिनांक 01.06.2024 (शनिवार)
- सिकंदराबाद से : गाड़ी सं. 05296, दिनांक 03.06.2024 (सोमवार)
- गाड़ी संरचनाः एसएलआर-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-11, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-04

गाड़ी सं. 03243/03244 पटना जं.-मंगलुरु सेन्ट्रल-पटना जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

03243 पटना जं.-मंगलुरु सेन्ट्रल			03244 मंगलुरु सेन्ट्रल-पटना जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	22:30	पटना जं.	05:30	—
06:00	06:05	प्रयागराज छिवकी	22:00	22:05
07:00	—	मंगलुरु सेन्ट्रल	—	20:00

- पटना जं. से : गाड़ी सं. 03243, दिनांक 01.06.2024 (शनिवार)
- मंगलुरु से : गाड़ी सं. 03244, दिनांक 04.06.2024 (मंगलवार)
- गाड़ी संरचनाः एसएलआर/डी-02, सामान्य श्रेणी-12, स्लीपर श्रेणी-06

गाड़ी सं. 05325/05326 गोरखपुर जं.-लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर जं. ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	पूर्व में निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
05325	गोरखपुर जं.-लोकमान्य तिलक (ट.)	31.05.2024	01.06.2024 से 08.06.2024
05326	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर जं.	02.06.2024	03.06.2024 से 10.06.2024

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 952/24(P)

@CPRONCR North central railways @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त

मुकेश अंबानी अब 30 मिनट में डिलीवर करेंगे सामान, ब्लिंकइट, जेप्टो की हो जाएगी छुट्टी

ई कॉमर्स के बाद अब क्विक कॉमर्स भी तेजी से वर्चस्व में आ रहा है। क्विक कॉमर्स के मार्केट में भी पहले से ही कई कंपनियां मौजूद है। इस श्रेणी में बाजार में ब्लिंकइट, बिग बास्केट, इंस्टामार्ट, जेप्टो जैसे कई ब्रांड्स सर्विस दे रहे है। इन कंपनियों द्वारा कई बड़े शहरों में सर्विस मुहैया करवाई जा रही है। अब ये भी संभावना जताई जा रही है कि रिलायंस कंपनी के मालिक मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज भी क्विक मार्केट में एंट्री करने वाली है। रिपोर्ट्स का कहना है कि रिलायंस जियो मार्ट जल्द इस मार्केट में आएगी। कंपनी शुरुआत में ही सात से आठ शहरों में फोकस करेगी। आने वाले समय में इस सर्विस को 1000 शहरों में शुरु किया जाएगा। कंपनी शुरुआत में दिल्ली, एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता में ये सुविधा देना शुरू करेगी। ये पहला मौका नहीं है जब रिलायंस इस फील्ड मे एंट्री करने जा रहा है। इससे पहले रिलायंस जियो मार्ट भी ऐसी ही सर्विस दिया करती थी, जो 90 मिनट में सामान डिलिवर करती थी। इस सर्विस का उपयोग करने के लिए जियो मार्ट एक्सप्रेस का उपयोग होता था। ये सर्विस कंपनी एक साल पहले बंद कर चुकी है। वहीं अब कंपनी ने 30 मिनट में सामान डिलीवर करने का लक्ष्य रखा है। ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी जैसे ब्रांड्स की तरह ही अब ग्रासरी और नॉन ग्रासरी प्रोडक्ट्स की डिलीवरी रिलायंस भी करेगी। शुरुआत में इस सर्विस के जरिए सिर्फ ग्रासरी डिलीवर होगी। मगर बाद में इसे अन्य सेक्टर में उपयोग किया जाएगा। वर्तमान में इस सेक्टर में कई कंपनियां है मगर दबदबा ब्लिंकिट का ही है। कंपनी के पास 40 से 45 प्रतिशत का मार्केट शेयर है।

डीजीसीए ने उड़ानों में देरी पर एयर इंडिया को भेजा नोटिस

नयी दिल्ली। विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अत्यधिक देरी और यात्रियों की समुचित देखभाल में नाकाम रहने के लिए शुक्रवार को एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस नोटिस में 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 179 के परिचालन में हुए अनावश्यक

विलंब का जिक्र करते हुए जवाब मांगा है। एयर इंडिया की दोनों उड़ानें केबिन के भीतर तापमान नियंत्रित न होने की वजह से काफी देरी से संचालित हुई थीं और यात्रियों को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ा था। एक अधिकारी ने कहा कि नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के इस मामले का संज्ञान लिया है। उसी के बाद एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। डीजीसीए ने नोटिस में कहा है कि एयर इंडिया के खिलाफ कई बार यात्री सुविधा से जुड़े मानकों का ध्यान न रखे जाने के मामले उसके संज्ञान में आ चुके हैं। डीजीसीए ने कहा, एयर इंडिया बार–बार यात्रियों का ध्यान रख पाने में नाकाम हो रही है। वह यात्रियों को एयरलाइंस की तरफ से दी जाने वाली सुविधाओं के प्रावधानों का भी पालन नहीं कर रही है। एयर इंडिया को यह बताना होगा कि उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

घरेलू बाजारों में पिछले पांच सत्र की गिरावट के बाद शुरुआती कारोबार में तेजी

मुंबई। घरेलू बाजारों में पिछले पांच सत्र की गिरावट के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में तेजी आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 550.22 अंक चढ़कर 74,435.82 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 147.15 अंक की बढ़त के साथ 22,635.80 अंक पर रहा। पांच सत्र की गिरावट में बीएसई 1,532 अंक या दो प्रतिशत टूटा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से लार्सन एंड टूब्रो, महिंद्रा एंड

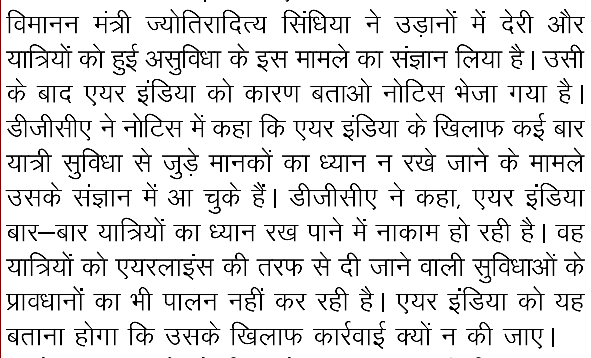

महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और टाइटन के शेयरों में सबसे अधिक तेजी आई। इन्फोसिस, भारती एयरटेल, कोटक महिन्द्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.58 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 3,050.15 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

टी20 विश्व कप में भारतीय एकादश में यशस्वी और शिवम दोनों को मिले जगह : सुरेश रैना

नयी दिल्ली। पूर्व आक्रामक बल्लेबाज सुरेश रैना ने टी20 विश्व कप में जीत के लिए बेखौफ बल्लेबाजी की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय टीम को अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले इस टूर्नामेंट में जीत की संभावना को बढ़ाने के लिए यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को अंतिम एकादश में जगह देना चाहिये। खब्बू बल्लेबाज रैना ने शुक्रवार को यहां कहा कि अमेरिका और वेस्टइंडीज की धीमी पिचों पर विराट कोहली टीम के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए ज्यादा कारगर होंगे। रैना ने यहां तीन जुलाई से इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स' के लिए भारतीय लीजेंड टीम की घोषणा के मौके पर कहा, '' मैं पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टी20 श्रृंखला देख रहा था। इसमें इंग्लैंड की टीम बेखौफ क्रिकेट खेल रही थी। इस प्रारूप में

कुछ भी संभव है। यह बेखौफ होकर खेलने वाला प्रारूप है। जो बेखौफ खेलेगा वही जीतेगा।'' भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29.18 की औसत से 1605 रन बनाने वाले रैना ने कहा, ''अमेरिका में सबसे बड़ी चुनौती समय के साथ सामंजस्य बैठाने की होगी। हमें सुबह 10 बजे से मैच खेलने हैं और हम सफेद गेंद से इतनी सुबह खेलने के आदी नहीं है। यह थोड़ा चुनौती पूर्ण होगा। वहां की पिचों भी धीमी होंगी।'' रैना ने कहा कि टीम की अंतिम एकादश में जायसवाल और दुबे दोनों को जगह मिलनी चाहिए लेकिन इसके लिए कप्तान को कुछ कठिन फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, '' मैं चाहूंगा कि जायसवाल टीम में हो। विराट को तीसरे क्रम पर खेलना चाहिये। वहां की पिचें धीमी होगी ऐसे में आपको दौड़कर रन चुराने वाले एक बल्लेबाज की जरूरत होगी। विराट को 'रन मशीन' और 'चेज मास्टर' कोहली बोलते है। टीम में आखिरी ओवरों के लिए ऋषभ पंत और शिवम दुबे जैसे बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाज है।'' उन्होंने कहा, ''जायसवाल युवा है और वह बेखौफ क्रिकेट खेलता है। दुबे को भी किसी तरह से टीम में जगह देना होगा। वह जिस तरह से खड़े–खड़े छक्के लगाता है उस तरह की क्षमता बहुत कम खिलाड़ियों के पास है। इससे पहले हमने युवराज सिंह और (महेंद्र सिंह) धोनी भाई को ऐसा करते देखा है।'' उन्होंने कहा, '' शिवम दुबे तुरुप का इक्का है लेकिन जायसवाल की मौजूदगी में उसे जगह मिलना मुश्किल होगा।'' भारत के लिए सभी प्रारूपों में लगभग 8000 रन बनाने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' कप्तान (रोहित शर्मा) को यह मुश्किल फैसला लेना होगा। मेरी समझ से उसे एकादश में रहना चाहिये उसके पास टीम के लिए 20–30 अतिरिक्त रन बनाने की क्षमता है।'' इस मौके पर पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को स्विंग पर ज्यादा निर्भर नहीं रहने की सलाह दी। बाये हाथ के इस गेंदबाज ने कहा,'' अर्शदीप का आईपीएल में अच्छे से इस्तेमाल नहीं हुआ। गेंदबाजों का इस्तेमाल काफी कुछ कप्तान की योजना पर निर्भर करता है। अमेरिका में सुबह 10 बजे की मैच की बात करे तो यहां गेंदबाजों को 'शॉट ऑफ गुडलेंथ' का इस्तेमाल करना होगा। शायद ज्यादा स्विंग देखने को ना मिले लेकिन गेंदबाजों को यॉर्कर, स्लोवर गेंद, कटर जैसी विविधता का इस्तेमाल करना होगा। अगर अर्शदीप ऐसा करता है तो वह कारगर होगा।'' उन्होंने कहा, ''हमने अमेरिका में खेला है और वहां की पिचें थोड़ी धीमी होती है। अगर वहां मौसम अनुकूल रहा तो थोड़ा टर्न मिलेगा। विश्व कप में काफी कुछ भारतीय हरफनमौला खिलाड़ियों की गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। हम अपने अनुभव पर कह सकते है कि (चार) स्पिनरों का चयन का फैसला अच्छा है।'' उन्होंने हार्दिक पंड्या का समर्थन करते कहा, '' हार्दिक का आईपीएल अच्छा नहीं गया ऐसे में वह खुद भी अच्छी गेंदबाजी करना चाहेगा। उसकी गेंदबाजी टीम के लिए काफी अहम है। उसकी गेंदबाजी से टीम का संयोजन सही बनेगा। उसे एक–दो नहीं पूरे चार ओवर गेंदबाजी करनी चाहिये। वह आईपीएल मे चार ओवर डालते थे इस लिए चोट की कोई समस्या नहीं है।

बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का ये बड़ा रिकॉर्ड, पूरे किए 4000 रन

पाकिस्तान की टीम ने इंग्लैंड का दौरा बाबर आजम की कप्तानी में किया। टीम को मौजूदा टी20 वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड के हाथों चार मैचों की टी20 सीरीज में 2–0 से हार झेलनी पड़ी। पाकिस्तान बाबर आजम की कप्तानी में सीरीज तो नहीं जीत

पाई, लेकिन आखिरी मैच में बाबर आजम ने 22 गेंदों पर एक छक्का और 5 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली साथ ही विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 से ठीक पहले पाकिस्तान की टीम ने इंग्लैंड का दौरा बाबर आजम की कप्तानी में किया। टीम को मौजूदा टी20 वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड के हाथों चार मैचों की टी20 सीरीज में 2–0 से हार झेलनी पड़ी। पाकिस्तान बाबर आजम की कप्तानी में सीरीज तो नहीं जीत पाई, लेकिन आखिरी मैच में बाबर आजम ने 22 गेंदों पर एक छक्का और 5 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली साथ ही विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। चौथे माच में पाकिस्तान ने 157 रन बनाए और इसके जवाब में इंग्लैंड ने 15.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाकर मैच जीत लिया। बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में 36 रन की पारी खेली और वो टी20 क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 660 रन क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में बनाए हैं जबकि विराट कोहली ने इस टीम के खिलाफ अब तक 639 रन बनाए थे। यानी बाबर आजम ने विराट कोहली का ये वर्ल्ड रिकॉर्ड फिलहाल के लए तो तोड़ ही दिया है। इंग्लिश टीम के खिलाफ टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 619 रन के साथ एरोन फिंच हैं जबकि पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान 560 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन

660 रन– बाबर आजम

639 रन– विराट कोहली

619 रन– एरोन फिंच

560 रन– मोहम्मद रिजवान

टी20 में बाबर आजम के 4000 रन पूरे

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे मैच में खेली अपनी पारी के दम पर बाबर आजम ने टी20 फॉर्मेट में 4000 रन पूरे कर लिए। वो पाकिस्तान की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 4000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने और इतिहास रच दिया तो वहीं ओवरऑल वो ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। टी20 में सबसे पहले 4 हजार रन का आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाज विराट कोहली थे। अब बाबर आजम विराट कोहली के साथ रन की इस आंकड़े को छूने वाले वर्ल्ड के दूसरे बैट्समैन बन गए।

हमारा रिश्ता लोगों को मसाला... विराट कोहली के साथ रिश्ते पर बोले गौतम गंभीर

केकेआर के मेंटॉर गौतम गंभीर ने विराट कोहली के साथ अपने रिश्ते को लेकर बड़ा बयान दिया है। आईपीएल 2024 में गंभीर नए रोल में नजर आए थे। केकेआर ने सीजन शुरू होने से पहले उन्हें टीम का मेंटॉर बनाया था। अपने पहले ही कार्यकाल में उन्होंने कोलकाता को चैंपियन बना दिया। आईपीएल के 17वें सीजन में एक मैच के दौरान विराट कोहली और गौतम गंभीर की मुलाकात ने काफी सुर्खियां बटोरी थी। दोनों मैच के दौरान मैदान के बीच में गले मिले थे, जिसे देखकर हर कोई थोड़ा हैरान रह गया था, क्योंकि पिछले कुछ समय से दोनों के बीच मनमुटाव था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 के फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। ट्रॉफी जीतने के बाद गौतम गंभीर ने स्पोर्ट्सक्रीड़ा से बातचीत में कहा कि, मेरा विराट कोहली के साथ रिश्ता ऐसा है जिसे इस देश को जानने की जरूरत नहीं है। उसे भी उतना ही अधिकार है जितना मुझे है कि वह अपनी बात रखे और अपनी –अपनी टीमों को जीत दिलाने में मदद करे। हमारा रिश्ता लोगों को मसाला देने का नहीं है। आईपीएल 2023 में कोहली और गौतम गंभीर के बीच काफी बहस हुई थी। नवीन उल हक के साथ हुई नोकझोक बड़ा मुद्दा बन गई थी। मैच के बाद मैदान पर दोनों टीमों के खिलाड़ी बीच बचाव करते हुए नजर आए। इस दौरान गंभीर और कोहली के बीच काफी तीखी बहस हुई थी। जिसके बाद कयास लगाए कि शायद इनके बीच अनबन खत्म नहीं होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और दोनों ने इस सीजन एक दूसरे के लिए सम्मान दिखाया।

दावा: रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन में रखा अपना एक लाख किलो सोना भारत वापस मंगाया

1991 के बाद पहली बार किया यह काम

नई दिल्ली। भारत के केंद्रीय बैंक ने ब्रिटेन से 100 मीट्रिक टन (1 लाख किलोग्राम) से थोड़ा अधिक सोना अपने घरेलू वॉल्ट में स्थानांतरित कर दिया है। एक समाचारपत्र ने सूत्रों के हवाले से शुक्रवार को यह खबर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार 1991 के आर्थिक संकट के बाद पहली बार इतने सोने को ब्रिटेन से भारत मंगाया गया है। भारत को 1991 में आर्थिक संकट के दौरान अपना सोना विदेशों में गिरवी रखना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले महीनों में देश में इतनी ही मात्रा में और कीमती धातु आ सकती है, यह कदम लॉजिस्टिक कारणों और विविध भंडारण के लिए उठाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास मार्च के अंत तक 822.10 टन सोना था, जिसमें से 408.31 टन सोने को घरेलू स्तर पर यानी देश में रखा गया है। बाकी सोना विदेशों में रखे गए हैं। आरबीआई ने पिछले वित्तीय वर्ष में अपने सोने के भंडार में 27.5 टन की बढ़ोतरी की है। हाल के दिनों में वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि कर रहे हैं, यह कदम अक्सर मुद्रा अस्थिरता और भू–राजनीतिक जोखिमों खिलाफ बचाव के रूप में रणनीतिक तौर पर उठाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने सोना भारत में स्थानांतरित करने का फैसला इसलिए लिया है क्योंकि देश के बाहर रखे गए भारत के सोने का स्टॉक लगातार बढ़ रहा था। फिलहाल इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक ने आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं कही है। आरबीआई को साल 1991 में उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा जब उसे अपने सोने के भंडार का एक हिस्सा गिरवी रखने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि देश विदेशी मुद्रा संकट से गुजर रहा था। 1991 के बाद यह पहली बार है जब भारत ने इतने भारी पैमाने पर देश में सोना स्थानांतरित किया है। सूत्रों ने बताया कि है कि आरबीआई का यह कदम लॉजिस्टिक कारणों के साथ–साथ स्टोरेज की विविधता के लिए उठाया है। घरेलू स्तर पर सोने को आरबीआई के मुंबई मिंट रोड और नागपुर स्थित पुराने कार्यालय भवन में स्थित तहखानों में रखा जाता है।

बम की अफवाह वाली इंडिगो फ्लाइट के छह चालक दल सदस्य ड्यूटी से हटाए गए

नयी दिल्ली। विमानन सेवा इंडिगो ने दिल्ली–वाराणसी उड़ान में बम की अफवाह के बाद 176 यात्रियों को विमान से निकाले जाने के मामले में दो पायलटों समेत छह चालक दल सदस्यों को ड्यूटी से हटा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इंडिगो की दिल्ली–वाराणसी उड़ान में 28 मई को बम की धमकी मिली थी जो जांच में झूठी पाई गई। हालांकि, सभी यात्रियों को दिल्ली हवाईअड्डे पर विमान से आपात स्लाइड के जरिये निकाल लिया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो क्लिप में

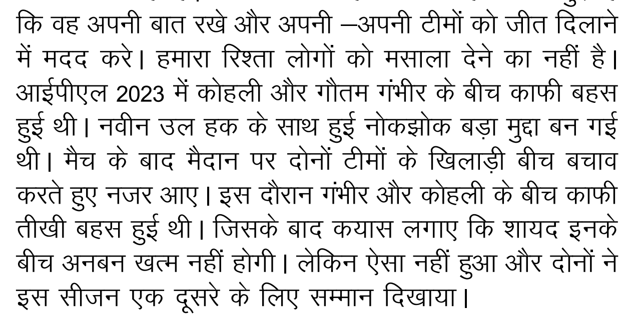

एक पायलट सामान के साथ आपात स्लाइड के जरिये विमान से बाहर आते हुए देखा गया था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत यात्री और चालक दल निकासी के समय अपना सामान नहीं ले सकते हैं क्योंकि इससे निकासी का समय बढ़ जाएगा। एक सूत्र ने कहा कि पट्टे पर विमान मुहैया कराने वाली कंपनी के दो पायलटों और इंडिगो के चार चालक दल सदस्यों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक सूत्र ने चालक दल को ड्यूटी से हटाए जाने की पुष्टि की। आमतौर पर वेट लीज व्यवस्था के तहत चालक दल, बीमा और विमान से संबंधित अन्य चीजों का ख्याल पट्टा देने वाली कंपनी द्वारा रखा जाता है। इस बीच, इंडिगो के प्रवक्ता ने सुरक्षा को मुख्य चिंता बताते हुए कहा कि चालक दल ने ग्राहकों की सुरक्षा के सर्वोत्तम हित में काम किया है। उन्होंने कहा कि उड़ान सुरक्षा टीम इस घटना की भी समीक्षा करेगी।

सम्पादकीय.......

जानलेवा गर्मी

नित नये रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी स्पष्ट संकेत दे रही है कि समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा शृंखला भी टूटेगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है। निश्चित रूप से यह तापमान उन लोगों के बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवन यापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम आने पर, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है। पेट में पर्याप्त भोजन का अभाव कुपोषण को जन्म देता है। जिसके चलते व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है। लेकिन विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के हमारे दरवाजे पर दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। दरअसल, गर्मी के प्रभाव से हाइपरटेंशन, निर्जलीकरण, लू लगने के अलावा मानव स्वास्थ्य से जुड़े कई तरह के संकट सामने आ रहे हैं। कई तरह के मानसिक रोगों की भी आशंका जतायी जा रही है। जिसकी वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थितियों के पैदा होने की आशंका जता रहे हैं। बहरहाल, रिकॉर्ड तोड़ते तापमान के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये सरकारों को नीतिगत उपायों को लागू करने को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल–कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर विभिन्न फैक्ट्रियों व कार्यस्थलों पर पंखों व शीतल जल की उपलब्धता की अनिवार्यता सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके अलावा उन कामगारों का भी ध्यान रखना होगा जो रोज कमाकर घर का चूल्हा जलाते हैं तथा खुले में काम करने को मजबूर होते हैं। उनके लिये छांव व ठंडे पानी की उपलब्धता मौलिक अधिकार जैसी होनी चाहिए। यह संकट आने वाले सालों में लगातार बढ़ेगा। इसलिए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होना चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

गांधी को फिल्म से जानने वाले

एजेंसी

गांधी के लिए दीवानगी कुछ यूं थी कि अंग्रेजी साहित्यकार मुल्कराज आनंद उनसे साक्षात्कार करने भारत आते हैं और बीबीसी का पत्रकार उनके साथ चलता हुआ नमक तोड़ो सत्याग्रह को कवर करता है, जिसे वह ग्रेट दांडी मार्च कहता है।

वाराणसी कहें या बनारस या फिर काशी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोकसभा क्षेत्र जहां से वे तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां 1 जून को मतदान होगा। यहीं पर है बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय। इसे बनाया था महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने। उनकी प्रेरणा थे महात्मा गांधी। गांधी जी को पंडित जी से भी लगाव था, काशी से भी और स्वाभाविकतरः बीएचयू से भी। इसलिये 5 फरवरी, 2015 को उसके स्थापना दिवस समारोह में वे विशेष रूप से उपस्थित हुए थे। दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे और अपने राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले की सलाह पर भारत का कोना–कोना देख आये थे। दरभंगा के महाराज के शरीर पर आभूषण देखकर कहा था कि अब मुझे पता चला कि देश सोने की चिड़िया से गरीब कैसे बना। अपने भाषण में उन्होंने छात्रों से पूछा था कि वे कैसा स्वराज चाहते हैं। उसी लोकसभा क्षेत्र से देश का प्रतिनिधित्व करने वाले मोदी जी कहते हैं कि गांधी का पता दुनिया को रिचर्ड एटनबरो की फिल्म देखने के बाद पता चला। है न गजब, कि जो गांधी गुजरात के थे, उसके मोदी मुख्यमंत्री रहे। गांधी का नाम वे साल में पांच–सात बार ले ही लेते हैं। देश हो या विदेश, हर जगह गांधी का उल्लेख करते हैं। उन्हें अगर मलाल है कि गांधी को वैसा नहीं जाना जाता जिस प्रकार नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग को जाना जाता है। मोदी शायद यह नहीं जानते कि जिन लोगों का वे नाम लेते हैं, वे खुद को ही गांधी के अनुयायी मानते हैं। एक चौनल को साक्षात्कार देते वक्त जब वे कहते हैं कि हमने, यानी देश ने ऐसे कोई प्रयास नहीं किये कि दुनिया में लोग उन्हें जानें। दरअसल मोदी कांग्रेस की आलोचना करने के लिये यह कह रहे थे परन्तु ऐसा कहकर वे अपनी कुटिलता व अल्प ज्ञान का ही परिचय दे गये थे। वे नहीं जानते कि बहुत युवावस्था में जब वे दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद व श्रमिकों के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ लड़ रहे थे, तभी से दुनिया उन्हें जान गयी थी। गोखले उन्हें भारत आमंत्रित करने वहां जाते हैं। सत्य व अहिंसा दो ऐसे सिद्धांत उन्होंने दुनिया को दिये, जिससे सारा विश्व ही उनका मुरीद हो उठा था। महान मानवतावादी रूसी लेखक लियो टॉलस्टॉय से उनका पत्र व्यवहार होता था। गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने जाते हैं तो उनसे मिलने महानतम अभिनेता चार्ली चौपलिन आते हैं, दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन उनसे मिलने के बाद कह उठते हैं कि आने वाले वर्षों की पीढ़ियां इस बात पर शायद ही यकीन करेंगी कि गांधी नाम का हाड़–मांस का पुतला कभी इस धरती पर चला था। गांधी के लिए दीवानगी कुछ यूं थी कि अंग्रेजी साहित्यकार मुल्कराज आनंद उनसे साक्षात्कार करने भारत आते हैं और बीबीसी का पत्रकार उनके साथ चलता हुआ नमक तोड़ो सत्याग्रह को कवर करता है, जिसे वह ग्रेट दांडी मार्च कहता है। 1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जब गांधीजी गए तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री से भी मिले, जिस पर फ्रेंक मॉरिस ने कहा था, श्एक अधनंगे फकीर को ब्रिटिश प्रधानमंत्री से बातचीत के लिए सेंट जेम्स पैलेस की सीढ़ियां चढ़ने का नजारा अपने आप में अनोखा और दिव्य प्रभाव पैदा करने वाला था। गांधी वही अधनंगे फकीर थे जो दुनिया के सबसे ताकतवर ब्रितानी शासक की आंख में आंख डालकर कहने की हिम्मत रखते थे कि उनके शरीर पर इतने कम कपड़े इसलिये हैं क्योंकि उनके जैसे देश के लोगों के हिस्से तो आपने पहन रखे हैं। उसी इंग्लैंड में वह उन्हीं कपड़ा मिल मजदूरों की बस्ती में रूकते हैं जो भारत में छेड़े गए विदेशी वस्त्रों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के कारण बेकार हो गये थे। भारत की आजादी के पहले और बाद में भी गांधी के मुरीद देश ही नहीं विदेशों में भी थे। आंग सान सू,कैलेनबाख, मीरा बेन, नेल्सन मंडेला से लेकर बराक ओबामा तक, कितने नाम लें और कितने छोड़ें। आज भी दुनिया भर में सबसे ज्यादा मूर्तियां व डाक टिकट गांधीजी पर हैं। यहां तक कि लंदन में वेस्टमिंस्टर परिसर में भी उनकी मूर्ति है, जबकि गांधीजी ने इन्हीं अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे। 30 जनवरी 1948 को जब गांधीजी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी, तो इस शोक में केवल भारत ही नहीं समूची मानवता डूब गई थी। उनकी मय्यत पर दुनिया भर के झंडे झुक गये थे। आजाद भारत में एक परंपरा ही बन गई है कि जब भी किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होता है तो गांधी समाधि राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि दी जाती है, गांधी स्मृति में पौधारोपण किया जाता है। ये सारी बातें आम भारतीयों को पता है, दुनिया भी गांधी के बारे में काफी कुछ जानती है। लेकिन शायद दस सालों से देश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन नरेन्द्र मोदी को ही इन बातों का पता नहीं था। तभी उन्होंने ऐसा बयान दिया। राहुल गांधी ने बिल्कुल सही लिखा है कि सिर्फ एंटायर पॉलिटिकल साइंस के छात्र को ही महात्मा गांधी के बारे में जानने के लिये फिल्म देखने की जरूरत रही होगी। गांधी को कौन कितना जानता है या नहीं जानता है, इस पर राय देने की जगह अगर प्रधानमंत्री इस बात पर गौर फरमाते कि 10 सालों में गांधीजी के खिलाफ देश में किस तरह घृणा का माहौल बनाया गया है, किस तरह गांधी की हत्या करने वाले गोडसे को महिमामंडित करने का खेल रचा गया है, तो बेहतर होता।

ध्यान की राजनीति या राजनीति का ध्यान

सर्वमित्रा सुरजन

खबर आई है कि आम चुनावों के आखिरी चरण के लिए प्रचार खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक जाकर ध्यान में लीन होने वाले हैं। 30 मई को पंजाब में प्रचार करने के बाद वे सीधा तमिलनाडु जाएंगे। 31 मई से 1 जून तक श्री मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में बने ध्यान मंडपम में करीब 24 घंटों का ध्यान लगाएंगे। 132 साल पहले 1892 में स्वामी विवेकानंद ने समुद्र में जब यह शिला देखी थी, तो उससे प्रभावित हुए थे, वे तैर कर इस शिला पर पहुंचे और फिर 25, 26, 27 दिसंबर तीन दिनों तक यहां ध्यान लगाया था। कहा जाता है कि यहीं उन्हें भारत माता की दिव्य अवधारणा की अनुभूति हुई थी। पाठकों को पता ही होगा, स्वामी विवेकानंद का मूल नाम नरेन्द्र था, विवेकानंद नाम उन्हें आध्यात्म के रास्ते पर चलने के बाद मिला। अब यह तो परमात्मा ही जानें, या फिर खुद को परमात्मा का अंश बताने वाले नरेन्द्र मोदी जानें कि आगे जाकर वे अपने लिए कौन सा नाम चाहते हैं या फिर नरेन्द्र होकर ही उन्होंने वह सिद्धि हासिल कर ली है, जिसके लिए अनेक लोगों ने बरसों की तपस्या की है। गौरतलब है कि नरेन्द्र मोदी इससे पहले 2019 में केदारनाथ की रुद्र गुफा में इसी तरह आखिरी चरण के मतदान के वक्त ध्यान करने पहुंचे थे। गेरुआ वस्त्र और आंखों पर लगा चश्मा, लेकिन बंद आंखों से कैमरे की उपस्थिति में किस तरह ध्यान लगाया, इसका रहस्य जानने को अब भी देश उत्सुक है। 2014 में भी श्री मोदी चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद शिवाजी के प्रतापगढ़ किले पहुंचे थे, जहां अफजल खान को शिवाजी ने बघनखा से मारा था। हालांकि इस जगह उन्होंने ध्यान तो शायद नहीं लगाया होगा, या फिर वे खुद को इतना सिद्ध मानते हैं कि वे उस जगह पर भी ध्यान लगा सकते हैं, जहां किसी की हत्या की गई हो। बहरहाल, 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी कोलकाता के बेलूर मठ गए थे और उसी कमरे में कुछ देर ध्यान उन्होंने लगाया था, जहां स्वामी विवेकानंद ध्यान लगाया करते थे। ध्यान की राजनीति या राजनीति का ध्यान, कुछ भी कहें, प्रधानमंत्री इस खेल के पुराने खिलाड़ी लगते हैं। इसलिए उनसे कुछ सवाल हैं। मसलन, इस बार ध्यान करने के लिए उन्होंने विवेकानंद स्मारक की क्यों चुना। क्या राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत यहीं से की थी, और वे भी विवेकानंद मेमोरियल गए थे, इस वजह से श्री मोदी वहां पहुंच रहे हैं। भाजपा के एक नेता का दावा है कि यहां आकर श्री मोदी राष्ट्रीय एकता का संदेश देना चाहते हैं, क्योंकि यहां पूर्वी और पश्चिमी तट रेखाएं मिलती हैं। लेकिन भौगोलिक एकता तो भारत में बनी ही हुई है, असल मसला तो भावनात्मक एकता का है। क्या श्री मोदी अपने ध्यान से इस एकता को मजबूत करने में कोई मदद कर सकते हैं। सवाल तो यह भी है कि नरेन्द्र मोदी पिछले तीन महीनों से लगातार चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, उससे पहले पांच साल अलग–अलग विधानसभा चुनावों, नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों में व्यस्त रहे, और इस दौरान वक्त मिलने पर कभी विदेश यात्रा पर जाना पड़ा, कभी ट्रेनों को हरी झंडी दिखानी पड़ी और कभी नौकरी के नियुक्ति पत्र बांटने पड़े, तो अब उन्हें थोड़ी फुर्सत मिली, तो क्या बेहतर नहीं होता कि वे प्रधानमंत्री कार्यालय में थोड़ा वक्त गुजार लेते। 24 घंटे अपने कार्यालय में ही ध्यान कर लेते तो कुछ नहीं बिगड़ता। बल्कि तमिलनाडु तक जाने का खर्च बचता, और आम लोगों को भी तकलीफ नहीं होती, जिनके लिए श्री मोदी की यात्रा के दौरान विवेकानंद स्मारक बंद किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय में श्री मोदी ध्यान करने बैठते तो शायद उन्हें देश की दशा और दिशा का ध्यान भी हो जाता। नरेन्द्र मोदी चाहते तो दिल्ली के आस–पास मथुरा–वृंदावन में ही ध्यान कर लेते। सारनाथ या बोधगया भी जा सकते थे या गुजरात में भी ध्यान के स्थलों की कमी नहीं है। लेकिन उनके मन में शायद यह बात आई हो कि अब मैंने खुद को परमात्मा का अंश बता दिया है तो विपक्ष के नेताओं या अपनी पार्टी या संघ में भी ऐसा कोई नहीं है, जिससे मैं होड़ कर सकूं, विश्वगुरु हूं तो दुनिया का भी कोई नेता मेरे मुकाबिल नहीं ठहरता, गांधी–नेहरू–पटेल–भगत सिंह से भी कोई वास्ता नहीं, तो फिर क्यों न सीधे स्वामी विवेकानंद से ही होड़ करें। कोई आध्यात्मिक सिद्धि हासिल हो न हो, नाम तो हो ही जाएगा कि इस शिला पर दो नरेन्द्रों ने ध्यान लगाया था। इससे पहले कि नरेन्द्र मोदी ध्यानमग्न हो जाएं, उनका ध्यान कुछ और जरूरी बातों की तरफ दिलाना जरूरी है। जैसे स्वामीजी को इस शिला पर ध्यान करते हुए भारत माता की जिस छवि के दर्शन हुए थे, आज उस छवि को अनेक खतरों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान दिए अपने भाषण में मणिपुर की महिलाओं पर हुए अत्याचार का जिक्र कर भारत माता पर मंडराए इसी खतरे की ओर प्रधानमंत्री का ध्यान दिलाना चाहा था। तब तो राहुल गांधी को नसीहत मिल गई कि इस तरह भारत माता का नाम न लें। लेकिन श्री मोदी जब ध्यान के लिए आंखें बंद करेंगे तो क्या उन्हें मणिपुर की पीड़िताओं की वेदना महसूस हो पाएगी। क्या उन्हें पुलवामा, गलवान और देश के अलग–अलग हिस्सों में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं, माताओं, बेटियों, बहनों का दुख में भारत माता का दुख नजर आएगा। क्या ध्यान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी अपने इस पांच और पिछले पांच साल के कार्यकाल के बारे में भी विचार करेंगे। क्योंकि ध्यान के लिए आत्मशुद्धि जरूरी है और आत्मशुद्धि के लिए आत्ममंथन जरूरी है। श्री मोदी क्या इस बात पर गौर करेंगे कि नोटबंदी के उनके फैसले से इस देश के आम आदमी को किस तकलीफ से गुजरना पड़ा है। इसके बाद एक झटके में लिए गए लॉकडाउन के फैसले ने देश में कैसी अफरा–तफरी मचा दी थी। अमीरी–गरीबी का भेद तो हमेशा से ही रहा है, लेकिन मार्च 2020 के बाद से यह भेद अपने क्रूर और विद्रूप रूप को निस्संकोच सामने ले आया। जहां संपन्न लोगों के लिए घरों में बंद रहकर परिजनों के साथ समय बिताना आसान था, लेकिन इसी दौरान तपती धूप में लाखों लोग पैदल घरों की तरफ निकल पड़े और न जाने कितने लोगों ने बेघर और बेरोजगार होकर कोरोना से ग्रसित हुए बिना ही दम तोड़ दिया। क्या प्रधानमंत्री को गंगा के किनारे लगे लाशों के ढेर और देर रात तक मशान में जलते शव भी ध्यान की मुद्रा में दिखेंगे। क्या उन्हें दिल्ली की सीमाओं पर साल भर तक डटे किसानों के चेहरे ध्यान के दौरान नजर आएंगे या वे हताशा से भरे उन नौजवानों की सूरत नजर आएगी, जिन्होंने जीवन के सुनहरे साल नौकरी की तलाश में गंवा दिए। इन नौजवानों में बहुतों ने स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श बनाया होगा, जिन्होंने कहा था कि उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। बेरोजगार, निराश नौजवानों के लक्ष्यों को मोदी सरकार की नीतियों ने किस तरह लील लिया, क्या इस पर मोदीजी ध्यान करेंगे। कन्याकुमारी में समुद्र की उस चट्टान को देखने से पहले स्वामी विवेकानंद ने कम से कम पांच साल तक भारत दर्शन किया था। इस दौरान स्वामीजी ने भारत की विविध धार्मिक परंपराओं, सामाजिक रीति–रिवाजों, शिक्षा प्रणाली आदि को करीब से देखा और समझा, इसके साथ–साथ लोगों की पीड़ा, गरीबी और उसके कारणों पर विचार किया। इसके बाद भारत के उत्थान के बारे में विचार किया। नरेन्द्र मोदी के पास बतौर प्रधानमंत्री पूरे दस साल थे कि वे भी इसी तरह भारत को करीब से समझने की कोशिश करते। लेकिन उन्होंने अपनी ऊर्जा और प्रधानमंत्री कार्यालय के संसाधनों का इस्तेमाल हिंदुत्व को बढ़ावा देने में ही लगा दिया। इसलिए अब कपड़ों से लोगों की पहचान के बाद उन्हें साप्ताहिक छुट्टियों का संबंध धर्म से जोड़ना पड़ रहा है। अवकाश रविवार को हो या शुक्रवार को या सप्ताह के किसी भी दिन हो, लोगों की मूल समस्याएं उससे हल नहीं होंगी। जीवनस्तर तभी ऊंचा उठेगा, जब सरकार ईमानदारी से काम करे। 24 घंटों के ध्यान के दौरान नरेन्द्र मोदी इस सवाल पर भी गौर करें कि जब वे 18–18 घंटे काम करने का दावा करते हैं, उस के बाद भी उनके परिवारजनों को 5 किलो अनाज का मोहताज क्यों होना पड़ रहा है। क्यों गर्म हवाओं या ठिठुराती सर्दी में हाड़–तोड़ मेहनत करके दो वक्त की रोटी का इंतजाम नहीं हो पा रहा। क्यों अर्थव्यवस्था की गिरावट से लेकर मौसम के बिगड़ने की मार गरीबों को ही सहनी पड़ रही है। क्यों गंगा समेत देश की नदियां अब भी मैली हैं, क्यों पहाड़ धसक रहे हैं, क्यों जंगलों में आग फैल रही है। बहुत सारे सवाल हैं मोदीजी, सब पर विचार करें तो ध्यान के 24 घंटे कम पड़ जाएंगे। लेकिन केवल आंखें मूंदना हो, तो कोई बात नहीं, देश तो 10 सालों से इन आंखों को यूं ही फिरते देखता आया है।

इंडिया ब्लॉक के 1 जून को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद

डॉ. ज्ञान पाठक

लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम 7वें चरण ने दोहरा गौरव प्राप्त किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी से सबसे अच्छा समय प्रदान करता है, लेकिन आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1 जून को मतदान के लिए निर्धारित अधिकांश लोकसभा क्षेत्रों में सबसे खराब समय भी प्रस्तुत करता है। अंतिम 57सीटों के लिए चुनाव प्रचार 30 मई को समाप्त हो जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां उन्हें आरामदायक जीत की उम्मीद है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जीत के अंतर में भी कोई भी हार उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता खोने का संकेत देगी। इसलिए उन्होंने और उनके आरएसएस–भाजपा कुनबे ने 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में अपनी जीत के अंतर को 4,79,505 से बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा नेता इस जीत के अंतर को दोगुना करने का दावा कर रहे हैं, जो इस समय संभव नहीं लगता। पिछले चुनाव में सपा प्रत्याशी शालिनी यादव दूसरे स्थान पर रही थीं, हालांकि इस बार सीट बंटवारे के तहत कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार हैं। जाहिर है, इंडिया ब्लॉक2019 की तुलना में कड़ी टक्कर दे रहा है। गौरतलब है कि 2019 में जब सपा और कांग्रेस ने अलग–अलग चुनाव लड़ा था, तब उन्हें 18.40 और 14.38 फीसदी वोट मिले थे। पीएम मोदी ने 63.62 फीसदी वोट हासिल किये थे, जिसमें 7.25 फीसदी स्विंगवोट थे, क्योंकि वे पुलवामा की लहर पर सवार थे। जनवरी 2024 में राम मंदिर उद्घाटन ने उनके पक्ष में जनभावना को बढ़ाया था, लेकिन उसके बाद से यह कम होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश में वाराणसी समेत कुल 13 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है और तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रहे पीएम मोदी एक भी सीट नहीं गंवाना चाहते। राज्य में पिछले छह चरणों के चुनाव में भाजपा ने आधा दर्जन से अधिक सीटों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जिसका मतलब है कि पार्टी 2019 में जीती गई 62सीटों में से कुछ खोने का जोखिम उठा रही है। पार्टी के लिए अब यह बड़ी चिंता की बात है कि कम से कम तीन सीटों– बलिया, गाजीपुर, घोसी– पर सपा के उम्मीदवारों ने भाजपा के उम्मीदवारों की नींद उड़ा दी है। जहां तक भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) की बात है तो उसके उम्मीदवारों को मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज सीटों पर मामूली बढ़त हासिल है। इससे पहले एनडीए की एक और सहयोगी पार्टी रालोद ने भी दो सीटों को छोड़कर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। 2019 में राज्य से एनडीए की सीटों की संख्या 64 थी, जिसमें अपना दल (एस) की दो सीटें थीं। भाजपा ने इस बार राज्य की कुल 80सीटों में से 74 सीटें खुद के लिए और 4 सीटें सहयोगियों के लिए जीतने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, राज्य में पार्टी अपने लक्ष्य से काफी पीछे है। उसे अपनी 62 सीटें बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। चुनाव के आखिरी चरण में महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, सलेमपुर, चंदौली और निश्चित रूप से वाराणसी में भाजपा का पलड़ा भारी दिख रहा है। अगर हम आखिरी चरण में भाजपा के प्रदर्शन की तुलना करें तो उत्तर प्रदेश में एनडीए के लिए स्थिति बेहतर है, हालांकि इंडिया ब्लॉक तीन सीटों पर उसे मात दे सकता है। अन्य राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन पहले के चरणों की तुलना में काफी खराब दिख रहा है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एकमात्र सीट और पंजाब की 13सीटों पर भाजपा को इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों से बड़ी चुनौती मिलती दिख रही है। चंडीगढ़ में कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन है और कांग्रेस भाजपा के नये उम्मीदवार को कांग्रेस उम्मीदवार कड़ी टक्कर दे रहे हैं। सत्ता विरोधी लहर को भांपते हुए भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद को टिकट न देकर नये उम्मीदवार को चुनावी रणभूमि में उतारा है। कांग्रेस के पास चंडीगढ़ सीट पर कब्जा करने का बहुत अच्छा मौका है, जिसे 2019 के चुनाव में फिल्म अभिनेत्री किरण खेर ने जीता था। भाजपा ने 2019 के चुनाव में पंजाब में दो सीटें – गुरुदासपुर और होशियारपुर – जीती थीं। उस समय भाजपा और शिरोमणि अकाली दल ने मिलकर चुनाव लड़ा था। अब वे सभी 13सीटों पर अलग–अलग चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा पहली बार सभी सीट लड़ रही है। हालांकि पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे की कोई व्यवस्था नहीं है, लेकिन वे मुख्य प्रतियोगी के रूप में उभरे हैं। भाजपा राज्य में हार की लड़ाई में अपनी सीटों को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। भाजपा को बिहार में भी अपनी उम्मीदें धराशायी होती दिख रही हैं, जहां इस चरण में 8 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होना है। इन आठ सीटों में से, भाजपा को केवल एक पटना साहिब सीट पर बढ़त मिलती दिख रही है, जबकि उसकी सहयोगी जेडी(यू) नालंदा में अच्छा प्रदर्शन करती दिख रही है। सासाराम में कांग्रेस उम्मीदवार का पलड़ा भारी है, जबकि राजद पाटलिपुत्र, बक्सर और जहानाबाद में एनडीए उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। वामपंथी राजनीति के लिए अच्छी खबर हो सकती है, क्योंकि राजद और कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन में सहयोगी सीपीआई (एमएल) एल को दो निर्वाचन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में सभी चार सीटों पर जीत का भरोसा जताया है। हालांकि, स्थिति उतनी अनुकूल नहीं है। मंडी और हमीरपुर सीटों पर अभी भी भाजपा को बढ़त हासिल है, लेकिन कांगड़ा और शिमला सीटों पर उसके उम्मीदवारों को स्थानीय मुद्दों के कारण कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। झारखंड में अब राजनीतिक स्थिति बदल गयी है, जो भाजपा के खिलाफ जा रही है, जिसने राज्य में 2019 के चुनाव में 14 में से 11 सीटें जीती थीं,जबकि उसकी सहयोगी आजसू पार्टी ने 1 सीट जीती थी। दोनों इस बार भी सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन वोटों के उनसे दूर होकर नयी पार्टी जेबीकेएसएस और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवारों के पास चले जाने से उन्हें काफी

फिल्म 'किंग' को लेकर आया बड़ा अपडेट, शाहरुख खान के साथ लाडली सुहाना खान भी होंगी साथ!

> पिछले साल शाह रुख खान ने 'पठान', 'जवान' और उसके बाद 'डंकी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इन मूवी के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए काम से ब्रेक ले लिया। अब फैंस उनकी नई मूवी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसी खबरें आईं कि वह जल्द ही अपनी बेटी और एक्ट्रेस सुहाना खान के साथ 'किंग' में काम करने वाले हैं।

शाहरुख खान फिल्म किंग को लेकर सुर्खियों में बने हुई है वहीं इस से जुड़ी खबरें आती रहीं कि ये एक आइकॉनिक हॉलीवुड फिल्म का रीमेक है और इसमें जबरदस्त एक्शन होने वाला है लेकिन मेकर्स या शाहरुख की तरफ से फिल्म अभी तक अनाउंस नहीं की गई है अब सोशल मीडिया पर अभिनेता का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें फैंस को इस मूवी से जुड़ा हिंट मिला है। पिछले साल शाह रुख खान ने 'पठान', 'जवान' और उसके बाद 'डंकी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इन मूवी के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए काम से ब्रेक ले लिया। अब फैंस उनकी नई मूवी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसी खबरें आईं कि वह जल्द ही अपनी बेटी और एक्ट्रेस सुहाना खान के साथ 'किंग' में काम करने वाले हैं। हालांकि, इस फिल्म को लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की गई है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शाहरुख खान के फैन क्लब ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में 'बादशाह' अपनी फिल्म 'अशोका' के डायरेक्टर संतोष सिवन की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, संतोष को इस बार 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में सिनेमैटोग्राफी के लिए प्रतिष्ठित पियरे एंजेन्यू एक्सेललेंस से सम्मानित किया गया था। इस वीडियो में शाह रुख खान के कुछ फैंस को 'किंग' की स्क्रिप्ट दिखाई दे गई, जो उनकी पास वाली टेबल पर रखी थी। इसे देखने के बाद एक यूजर ने लिखा कि भाई किंग की स्क्रिप्ट तैयार है। दूसरे ने लिखा कि किंग के लिए तैयार।

मां से प्रेरणा लेकर अरनमनई 4 में निभाया सेल्वी का किरदार : तमन्ना भाटिया

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया, राशि खन्ना स्टारर तमिल कॉमेडी हॉरर फिल्म अरनमनई 4 हिंदी भाषा में रिलीज होने को तैयार है। इस बीच तमन्ना और राशि ने निर्देशक सुंदर सी. के साथ मुंबई में अपनी फिल्म के बारे में मीडिया से बातचीत की और अपना अनुभव साझा किया। तमन्ना भाटिया ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्हें लगा कि वह सेल्वी का किरदार नहीं निभा सकती, क्योंकि उनमें मां वाली बात नहीं है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए तमन्ना ने कहा, उन्होंने मुझे जो किरदार दिया, मुझे ईमानदारी से लगा कि मैं उसे नहीं निभा सकती। मैं अपने घर में अभी भी बच्ची हूं। मुझे लगता है कि मेरे अंदर मां वाली बात नहीं है, इसलिए घर में मुझे एक बच्चे की तरह माना जाता है। तमन्ना ने कहा, जब डायरेक्टर ने मुझे कहानी सुनाई और बताया कि आप एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं जो एक रक्षक है, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए एक महिला के हर पहलू को जानने और निभाने का मौका है। यह मेरे लिए काफी इमोशनल था। उन्होंने आगे बताया कि सेल्वी की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने अपनी मां से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, मैंने किरदार को निभाने के लिए अपनी मां से प्रेरणा ली। घर पर मुझे बहुत लाड़–प्यार मिलता है। इसलिए मैंने अपने किरदार सेल्वी को निभाने के लिए उन सभी फीलिंग्स का सहारा लिया। तमन्ना को भोला शंकर, बांद्रा और जेलर जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। सुंदर सी. द्वारा निर्देशित अरनमनई 4 में संतोष प्रताप, रामचंद्र राजू, कोवई सरला और वी.टी.वी. गणेश जैसे कलाकार हैं। इसे खुशबू सुंदर ने अवनी सिनेमैक्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में हिंदी में रिलीज होगी। तमन्ना के पास वेदा, स्त्री 2 और ओडेला 2 भी पाइपलाइन में हैं।

पंचायत 3 का यह सीन देख दिल्ली पुलिस ने की सचिव जी की जमकर तारीफ

पंचायत 3 जितेन्द्र कुमार और नीना गुप्ता की सीरीज (पंचायत 3) 28 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। इस वेब सीरीज को देखने के बाद दर्शक फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे है। दर्शकों के बाद अब हाल ही में दिल्ली पुलिस ने भी पंचायत 3 के एक सीन को देखकर सचिव जी की खूब तारीफ की।पंचायत का सीजन 3 अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुका है। और इस बार जितेन्द्र कुमार और नीना गुप्ता स्टारर पंचायत 3 लोगों को फुरेला गांव में होने वाली 'पंचायत' की राजनीति का एक कड़वा सच बताते हुए नजर आ रहे हैं। पंचायत 3 में दिखाए गए एक सीन ने तो दिल्ली पुलिस का भी दिल जीत लिया है, जिसके बाद वह सचिव जी की तारीफ करते हुए नहीं थके। पंचायत 3 की वैसे तो पूरी कहानी दर्शकों को पसंद आई है, लेकिन वेब सीरीज में एक सीन ऐसा है जिसको देखकर दिल्ली पुलिस भी तारीफ करने से पीछे नहीं रही। सीरीज में एक सीन दिखाया गया है, जिसमें बूढ़ी दादी की गैस की दवाई खाने के बाद तबीयत बिगड़ जाती है और सचिव जी उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी का बंदोबस्त करते हैं। वह पहले ड्राइवर से पूछते हैं, जिसने शराब पी रखी होती है। उसके बाद वह उप प्रधान से पूछते है, जिन्होंने पूरी बोतल पी रखी होती है। ये देखकर वह दोनों को ड्रिंक एंड ड्राइव नहीं करने देते और फिर खुद अम्मा को अस्पताल लेकर जाते है। पंचायत 3 का यह सीन देखकर दिल्ली पुलिस भी सचिव जी की तारीफ कर रही है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधि ाकारिक एक्स अकाउंट पर सिर्फ इस सीन का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, "शाबाश! सचिव जी३.बहुत अच्छा किए।"। इसके साथ ही उन्होंने 'ड्रिंक एंड ड्राइव' और पंचायत सीजन 3 को भी अपनी पोस्ट में टैग किया। आपको बता दें कि जितेन्द्र कुमार ने इस सीरीज में अभिषेक त्रिपाठी का किरदार निभाया है, जिनकी पोस्टिंग 'फुलेरा' गांव में सचिव के तौर पर होती है। धीरे–धीरे प्रधान से लेकर उप प्रधान और विकास से उनकी पक्की दोस्ती हो जाती है और रिंकी से उनकी नजदीकियां बढ़ने लगती है।

तलाक की खबर के बीच हार्दिक पंड्या की पत्नी ने एक पोस्ट से मचाई खलबली, 'लिखा भगवान'

नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पंड्या के तलाक की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। आए दिन इससे जुड़ी नई अपडेट सामने आ रही हैं। फिलहाल अभी तक नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पंड्या दोनों ने ही इस मामले पर चुप्पी साध रखी है। न ही वे इस अफवाह का खंडन कर रहे हैं और न ही मामले की पूरी सच्चाई बता रहे हैं। इसी खामोशी के चलते दोनों के फैंस के मन में कई सवाल उठ रहे हैं और इन सवालों की बारिश सोशल मीडिया पर भी देखने को मिल रही है। नताशा स्टेनकोविक ने जैसे ही सोशल मीडिया से अपना नाम और 'पंड्या' सरनेम हटाया, वैसे ही अटपटी चर्चाएं शुरू हो गईं। लोगों को लगने लगा कि दोनों के बीच कुछ तो गड़बड़ है। मामला इतने पर ही नहीं रुका और लोग इसे तलाक से जोड़कर देखने लगे और अब इसी बीच नताशा स्टेनकोविक का एक क्रिप्टिक पोस्ट सामने आया है, जो झट से वायरल भी हो गया है। इसे देखने के बाद लोग छिपा हुआ मतलब खोजने की कोशिश में लग गए हैं। हाल में ही नताशा स्टेनकोविक स्पॉट की गई थीं। इस दौरान नताशा स्टेनकोविक ने तलाक की अफवाहों पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया था। ऐसे में उनकी चुप्पी ने मामले को और तूल दे दी। अब नताशा स्टेनकोविक ने इंस्टाग्राम पर अपने एक पोस्ट से खलबली मचा दी है। उन्होंने दो तस्वीरें पोस्ट की हैं। इनमें से पहली तस्वीर में नताशा स्टेनकोविक लिफ्ट में खड़ी होकर मिरर सेल्फी लेती दिख रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में एक शख्स एक छोटे बच्चे का हाथ थामे जंगल की ओर जाते हुए दिख रहा है। ये तस्वीर जीजस क्राइस्ट की एक कॉन्सेप्ट इमेज है, जिसमें वो अपने भक्त को राह दिख रहे हैं। इस तस्वीर के कैप्शन में नताशा ने कुछ भी नहीं लिखा है, बस कुछ इमोजी बनाए हैं, जिसमें एक शांती के प्रतीक वाला कबूतर है। इसके साथ ही एक सफेद दिल और क्रॉस का निशान भी है। अब इस पोस्ट को देखने के बाद फैंस को लग रहा है कि दोनों के बीच लाजमी तौर पर अनबन है। नताशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और लगातार इंस्टाग्राम स्टोरी पर क्रिप्टिक पोस्ट कर रही हैं, जो अनबन की ओर सीधा इशारा कर रहे हैं। अब इस हालिया पोस्ट ने शक और गहरा कर दिया है। इस पोस्ट को देखने के बाद एक शख्स ने लिखा, 'आखिर कहना क्या चाहती हो?' वहीं एक और शख्स ने लिखा, 'साफ–साफ क्यों नहीं बताती कि तुम्हारे और हार्दिक के बीच क्या चल रहा है?' एक और शख्स ने उन्हें हिम्मत दी और लिखा, 'भगवान सब ठीक कर देंगे।' फिलहाल लोग इस पोस्ट को हिडेन मैसेज वाला पोस्ट बता रहे हैं और कमेंट सेक्शन में इसक असल मतलब खोजने में लग गए हैं।

छोटे पर्दे पर आने के फैसले पर मुझसे कई सवाल पूछे गए : नेहा शर्मा

एक्ट्रेस नेहा शर्मा की मोस्ट पॉपुलर सीरीज इल्लीगल रिलीज हो गयी है। इसमें एक्ट्रेस ने निहारिका सिंह का किरदार निभाया है, जो बड़ी वकील बनना चाहती है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के ऑफर के बारे में बात करते हुए बताया कि जब उनके पास इसकी स्क्रिप्ट आई, उस वक्त ओटीटी इतना बड़ा नहीं था। नेहा ने कहा, इल्लीगल का ऑफर कोविड की शुरुआत से पहले मेरे पास आया था। मैं खुद को इसका हिस्सा बनने के लिए बेहद भाग्यशाली मानती हूं। उस समय ओटीटी इतना बड़ा नहीं था। छोटे पर्दे पर आने के मेरे फैसले पर मुझसे सवाल पूछे गए। मुझे गर्व है कि मैंने तब इसकी संभावना देखी और इल्लीगल के लिए हां कह दिया। उन्होंने कहा, यह मेरे करियर के सबसे बेहतरीन प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस सीरीज ने मुझे अपने स्किल्स को दिखाने और एक एक्टर के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया है। मैं इस तरह के क्रिएटिव शो में शामिल होने के अवसर के लिए आभारी हूं। नेहा के लिए यह एक्सपीरियंस पर्सनली और प्रोफेशनली दोनों तरह से शानदार रहा है। उन्होंने कहा, मैं शूटिंग के दौरान बनाए गए कनेक्शन और यादों को संजोकर रखती हूं। इल्लीगल मेरी जर्नी का खास प्रोजेक्ट है। इल्लीगल 3 में अक्षय ओबेरॉय, पीयूष मिश्रा, सत्यदीप मिश्रा, नील भूपालम, इरा दुबे और जैन मैरी खान भी हैं। यह सब कानूनी स्ट्रगल और निजी जीवन के तानों–बानों से घिरे नजर आएंगे। इसकी शूटिंग दिल्ली और मुंबई में हुई है। बात करें इल्लीगल 3 की कहानी तो यह निहारिका सिंह के इर्द–गिर्द घूमती है, जो पेशे से वकील है और जनार्दन जेटली की प्रेस्टीजियस लॉ फर्म में अपना करियर शुरू करती है। कहानी जैसे–जैसे आगे बढ़ती है, निहारिका कई चौंकाने वाले खुलासे करती नजर आती है। वह दिल्ली की सबसे बड़ी वकील बनने का सपना देखती है।

गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाते हैं ये फूड्स, आप भी डाइट में करें शामिल

मई–जून के महीने में गर्मी अपने चरम पर होती है। इन दिनों कई राज्य भीषण गर्मी के चपेट में हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, बढ़ता तापमान हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक होता है। ऐसे में तेज गर्मी और धूप की चपेट में आने की वजह से हीट स्ट्रोक, हृदय गति में असमानता, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर बढ़ने आदि की समस्या होने लगती है। ऐसे में स्वस्थ रहने और तमाम बीमारियों से खुद को बचाने के लिए शरीर के तापमान को कंट्रोल में करते रहने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे में आप कुछ चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो कुछ खाद्य पदार्थों की तासीर ठंडी होती है और इनमें पानी की अधिक मात्रा पाई जाती है। ऐसे में इन चीजों का सेवन करने से शरीर को ठंडक पहुंचने के साथ गर्मी से होने वाली समस्याओं से बचाने में मददगार होता है। ऐसे में इन चीजों का सेवन करने से शरीर को ठंडा रखने में मदद मिलती है।

बढ़ जाता है शरीर का तापमान

गर्मियों में हीट स्ट्रोक सामान्य समस्या है। इस दौरान शरीर का तापमान 104 डिग्री से अधिक बना रहता है। ऐसे में शरीर को नेचुरल तरीके से ठंडा रखने वाले पसीने के तंत्र फेल हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक की वजह से पाचन में गड़बड़ी, रक्तचाप और चक्कर आने का खतरा होता है। इसलिए गर्मियों में हीट स्ट्रोक से खुद का बचाव करने और शरीर को शीतलता प्रदान करने वाली चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। आइए जानते हैं हीट स्ट्रोक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन फायदेमंद होता है।

खीरा–तरबूज

गर्मियों में अधिक से अधिक तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। ताकि आपका शरीर हाइड्रेट रहे। खीरा में पानी की मात्रा अधिक होती है। ऐसे में इसका सेवन करना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर तरबूज भी आपके शरीर को ठंडा रखता है। साथ ही खीरा–तरबूज आदि के सेवन से शरीर डिहाइड्रेशन नहीं होता है। इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने के साथ ही गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

फायदेमंद है पुदीना

पुदीने में मेन्थॉल पाया जाता है, जो शरीर को ठंडक पहुंचाता है। चाय, सलाद, पानी या स्मूदी आदि में ताजी पुदीने के पत्तियों को मिलाकर पीने से आप गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों से खुद को बचा सकते हैं। साथ ही यह पाचन स्वास्थ्य को भी ठीक रखता है। पुदीने की पत्तियों के सेवन से कब्ज–अपच जैसी दिक्कतों से राहत पाई जा सकती है।

पिएं नारियल पानी

बता दें कि नारियल पानी में भरपूर मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स पाया जाता है, जो आपके शरीर में पानी की कमी को दूर करता है और तरल पदार्थों के संतुलन को बनाए रखने में सहायक होता है। इसके साथ ही नारियल पानी में पोटेशियम, मैग्नीशियम और सोडियम सहित कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। यदि आप रोजाना गर्मियों में नारियल पानी का सेवन करते हैं, तो स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों को कम किया जा सकता है।

शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर दिखते हैं ये संकेत, इस तरह कर सकते हैं भरपाई

हमेशा फिट एंड फाइन रहने के लिए हमारी शरीर में सभी पोषक तत्वों का सही मात्रा में होना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में प्रोटीन भी उन्हीं में से एक है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि शरीर में मौजूद हर जीवित कोशिका को प्रोटीन की जरूरत होती है। एक व्यक्ति को अपने पूरे दिन में करीब 10: कैलोरी प्रोटीन को प्राप्त करना चाहिए। ऐसे में अगर हमारे शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तो यह हमारी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए अगर आपके शरीर में कोई बदलाव हो रहे हैं तो आपको उनपर जरूर ध्यान देना चाहिए। आज इस कड़ी में हम आपको ऐसे ही कुछ संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं जो प्रोटीन की कमी को दर्शाते हैं। इसके साथ यह भी आपको बताएंगे की किस तरह इसकी भरपाई आप कर सकती हैं।

चोट न भरना

शरीर में प्रोटीन की कमी की वजह से अक्सर चोट जल्दी से नहीं भरती है क्योंकि इस न्यूट्रिएंट की कमी की वजह से घाव भरने की प्रक्रिया बहुत धीमी हो जाती है। दरअसल नई कोशिकाओं को बनने के लिए वक्त और प्रोटीन लगता है, जिसकी वजह से घाव को भरने में मुश्किल आती है। ऐसे में आप के साथ भी ऐसा हो रहा है तो आपको इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए।

बार–बार क्रेविंग होना

प्रोटीन की कमी के कारण बार–बार भूख भी लगती रहती है। ऐसे में इस समय नमकीन या मीठे फूड्स खाने की लगातार क्रेविंग होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारे शरीर में जब प्रोटीन की कमी होती है तो खुद ही हाई प्रोटीन वाले फूड्स खाने की इच्छा होती है।

बालों का लगातार टूटना

प्रोटीन की कमी में बालों का झड़ना भी एक संकेत है। कई लोग बालों के झड़ने पर हर तरह का प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं लेकिन फिर भी बाल झड़ना नहीं रुकता। यहां तक कि दिन पर दिन बालों की चमक कम हो जाती है और वो रूखे हो जाते हैं। ऐसा शरीर में प्रोटीन की कमी के कारण होता है।

शरीर में सूजन होना

विशेषज्ञों के अनुसार प्रोटीन की कमी से शरीर के किसी अंग में सूजन भी आ सकती है। इसे चिकित्सीय शब्दावली में एडिमा कहा जाता है। बता दें कि जब ब्लड में एल्बुमिन प्रोटीन की कमी होती है तो ये परेशानी हो सकती है।

थकान होना

प्रोटीन की कमी से आपकी मसल्स ढीली हो सकती हैं, जो बदले में आपकी ताकत को कम कर देती हैं, जिससे आपका संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाता है और मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। यह एनीमिया का कारण भी बन सकता है।

मांसपेशियों में दर्द होना

मांसपेशियां अपनी जरूरत के अनुसार प्रोटीन हड्डियों से सोखने लगती हैं। इस वजह से हड्डियों में कमजोरी आ जाती है। वहीं मांसपेशियों को अधिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। यहां तक कि मसल्स में दर्द भी बना रहता है।

खांसी–जुकाम

हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि जिन लोगों के शरीर में प्रोटीन की कमी होती है उनका इम्युन सिस्टम कमजोर हो सकता है। ऐसे में लोगों को इंफेक्शन से घिरने का खतरा अधिक होता है।

ये हैं प्रोटीन के शाकाहारी स्रोत

अंडा

अंडा प्रोटीन का सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। यह विटामिन, कैल्शियम, मिनरल्स और हेल्दी फैट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अंडे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

सोयाबीन

प्रोटीन के लिए शाकाहारी स्रोत में सोयाबीन काफी अच्छा विकल्प है। आप सोयाबीन से रोजाना की प्रोटीन जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। आप सोयाबीन की सब्जी या स्प्राउट्स के तौर पर इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं।

चना

चना भी प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत होता है। चने में कार्ब्स, फाइबर, आयरन, फोलेट, फास्फोरस, पोटैशियम आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और वजन घटाने में भी मदद मिलती है।

टोफू

सोयाबीन से बना टोफू काफी हेल्दी होता है। टोफू में अंडे के बराबर प्रोटीन पाया जाता है। आप इसे किसी भी तरह अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। टोफू में प्रोटीन के अलावा आयरन और कैल्शियम भी भरपूर होता है।

मूंग दाल

इसमें फाइबर, अमीनो एसिड, कार्बोहाइड्रेट और लिपिड पाए जाते हैं। मूंग दाल में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, इसलिए इसे वजन घटाने के लिए फायदेमंद माना जाता है।

बच्चा कर रहा है ये हरकतें तो हो जाएं सतर्क, नहीं हो पाएगा जिंदगी में सक्सेसफुल

मां– बाप अपने बच्चों से बहुत उम्मीदें पालकर रखते हैं। वो चाहते हैं जिंदगी में जो वो अचीव नहीं कर पाएं वो उनके बच्चे करें। हालांकि इन सब के बीच वो बच्चों में परफेक्ट होने का इतना प्रेशर डालते हैं कि कुछ संकेतों को इग्नोर करते हैं। जी हां, बचपन में ही बच्चे कुछ ऐसे संकेत देते हैं जो आपके बच्चे को जिंदगी में अचीवर बनने से रोक सकते हैं। ये एग्जाम से कम नंबर लाना या बदतमीजी करना नहीं है। अगर आप ध्यान देंगे तो आपको समझ आएगा कि आखिर क्या हैं ये कमियां और आप इसे ठीक करने की तरफ काम भी कर सकते हैं...

आत्म– सम्मान की कमी

जिन बच्चों में आत्मसम्मान की कमी होती है, वे अपनी क्षमताओं पर संदेह कर सकते हैं और चुनौतियों का सामना करने में झिझक सकते हैं। वे क्लास में डिस्कशन और करिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेने से बचते हैं। वहीं वो कहीं पर भी अपनी राय को खुलकर नहीं रखते हैं। इसलिए आप अपने बच्चों में कॉन्फिडेन्श बढ़ाएं और हर अचीवमेंट पर उनकी तारीफ जरूर करें। इससे वो जिंदगी में रिस्क उठाने या कुछ करने में हिचकिचाएंगी नहीं।

काम को टालते रहना

एंग्जायटी, डर या फेल होने या प्रोत्साहन की कमी की वजह से आपका बच्चा बार–बार किसी काम को टालने की कोशिश कर सकता है। अगर आपका बच्चा आखिरी मिनट तक अपने काम या होमवर्क को टालता रहता है, तो आपको उसके इस व्यवहार का कारण पता लगाकर उसकी मदद करें।

खुद को व्यक्त न कर पाना

बच्चे को टाइम को मैनेज करने, अपने कामों को प्राथमिकता देने और डेडलाइन को पूरा करने में दिक्कत आती है तो आपको इस बात पर खास ध्यान रखना चाहिए। इस व्यवहार के चलते बच्चे का काम अधूरा छूट सकता है जो उसके तनाव का कारण बनने लगेगा। आप अपने बच्चे को व्यवस्थित तरीके से काम करना सिखाएं। असके अलावा कम्यूनिकेशन स्किल्स बेहतर न होने से बच्चा आगे जाकर करियर में दिक्कत फेस करता है। जिन बच्चों को खुद को व्यक्त करने में परेशानी होती है, वो ग्रुप एक्टिविटीज या जरूरत पड़ने पर मदद लेने से हिचकिचाते हैं।

ध्यान भटकना

फोकस न करना पाने वाली बात को हल्के में न लें। ये एडीएचडी के संकेत हो सकते हैं। ये नींद की कमी या बहुत ज्यादा टीवी देखने की वजह से हो सकते हैं। बड़ी फैमिली जहां बहुत शोर– शराबा है वो भी इसका कारण हो सकता है। पढ़ाई में अव्वल आने के लिए बच्चों की इस प्रॉब्लम को पहचानकर उसे सॉल्व करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा डिस्लेक्सिया या एडीएचडी को इग्नोर कर देते हैं। अगर सही समय पर इनकी पहचान कर के इलाज शुरू कर दिया जाए, तो परेशानी को बढ़ने से रोका जा सकता है।

शिमला के पास मौजूद इन गांवों की खूबसूरती देख पल में हो जाएंगे दीवाने, प्लान करें ट्रिप

भारत में शिमला, कुल्लू, मनाली और नैनीताल जैसे डेस्टिनेशन सबसे ज्यादा फेमस हैं। इन खूबसूरत हिल स्टेशनों का दीदार करने भारत के हर कोने से लोग आते हैं। लेकिन गर्मियों में इन हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की अधिक भीड़ होती है। क्योंकि इस दौरान यहां पर बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। जिसके कारण यहां पर स्टे में समस्या, महंगा सामान और घंटों जाम में फंसना पड़ता है। इस वजह से ट्रिप का पूरा मजा खराब हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन फेमस डेस्टिनेशन के पास कई ऐसी जगहें हैं, जहां की प्राकृतिक सुंदरता और शांत माहौल आपको सुकून देती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको शिमला से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित गांवों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां की सुंदरता किसी को भी पलभर में दीवाना बना सकती है।

शिमला में ट्रिप

भारत में प्राकृतिक खूबसूरती से घिरे कई टूरिस्ट स्पॉट हैं। वहीं शिमला में पर्यटकों का पूरे साल आना–जाना लगा रहता है। यहां के बादल और बर्फ से ढके पहाड़ शिमला को अट्रेक्टिव बनाते हैं। दिल्ली समेत कई इलाकों से यहां पर काफी कम समय में पहुंचा जा सकता है। वैसे आप शिमला में मौजूद गांवों की सैर कर अपने ट्रिप को यादगार बना सकते हैं। आज हम आपको शिमला के इन्हीं खूबसूरत गांवों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कोटगढ़ गांव

कोटगढ़ गांव सेब के बगीचों के लिए काफी फेमस है। यह गांव एक शांत और खूबसूरत जगह है। यहां पर सेब के अलावा एप्रीकॉट, प्लम्स, चौरी और दूसरी हेल्दी चीजें भी उगाई जाती हैं। इसके साथ ही आप यहां पर सेंट मैरी चर्च देखने जा सकते हैं। बता दें कि इस चर्च को साल 1872 में बनाया गया था। इस स्थान पर तन्नी जुब्बर झील मौजूद है, जोकि पहाड़ों से घिरी है। इस झील के पास एक छोटा सा जंगल है। यहां पर जून महीने में तन्नी जुब्बर मेला का आयोजन होता है।

हाटू पीक

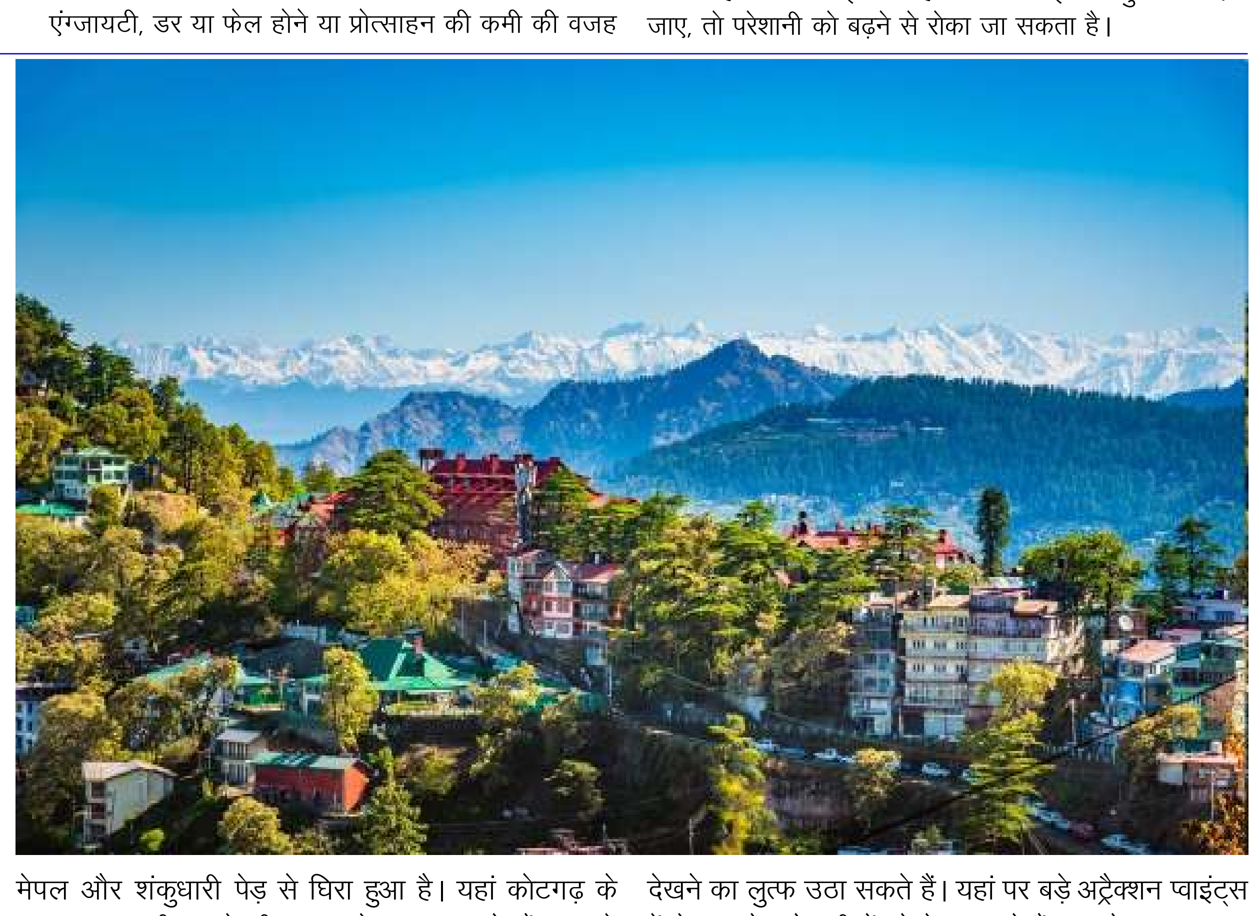

यह जगह हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में मौजूद है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 3400 मीटर है। यह पूरी जगह मेपल और शंकुधारी पेड़ से घिरा हुआ है। यहां कोटगढ़ के अलावा हाटू पीक को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप कोटगढ़ में बर्फ से ढकी हिमाचल की चोटियों को देखने का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां पर बड़े अट्रेक्शन प्वाइंट्स में से एक सेब के बगीचों को देख सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर चतुर्मुख देवता मंदिर में दर्शन भी कर सकते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर कैंसर जन जागरुकता कार्यक्रम

प्रयागराज। प्रो.राजेन्द्र सिंह(रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व तम्बाकू निषेध ा दिवस के अवसर पर कैंसर जन जागरुकता कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।

अनिकेत स्माइल फाउंडेशन, सामाजिक विकास सेवा समिति प्रयागराज एवं संस्कृत विभाग प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कैंसर जनजागरुकता कार्यक्रम का सफल आयोजन दिनांक 31ध05ध2024 दिन शुक्रवार को प्रो.राजेन्द्र सिंह(रज्जू भय्या)विश्वविद्यालय अकादमिक भवन–ए–सभागार ळ–6 में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सम्मानित अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायाध्यक्षों के द्वारा दीप प्रज्जवलन व सरस्वती प्रतिमा एवं रज्जू भय्या के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुआ।इसी समय संस्कृत विभाग के शोध छात्र अनन्त जी मिश्र के द्वारा वैदिक मंगलाचरण किया गया। इसके अनन्तर संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी के द्वारा कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया गया। तत्पश्चात् अनिकेत स्माइल फाउण्डेशन संस्थापक डॉ. अखिलेश कुमार सिंह जी के द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने इस फाउण्डेशन का स्थापना किया. विशिष्ट वक्तव्य के रूप में उपस्थित डॉ. देव कुमार यादव कैंसर रोग विशेषज्ञ स्वरूप रानी चिकित्सालय प्रयागराज ने कहा कि कैंसर से संबंधित तंबाकू से होने वाले मृत्यु में भारत द्वितीय स्थान पर है। उन्होंने यह भी बताया कि तंबाकू का कैंसर रोग में बहुत योगदान है इन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी कहा कि सभी प्रकार के नशीली पदार्थों के सेवन को त्याग करके मोटापा को कम कर के नियमित दिनचर्या से हम कैंसर जैसे रोग से बच सकते हैं। इन सब बचाव से 70: कैंसर को रोका जा सकता है।

इसके पश्चात डॉ. मनीषा टंडन कैंसर रोग विशेषज्ञ कमला नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज ने अपने विशिष्ट वक्तव्य में यह कहा कि नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर जाने से भी कैंसर जैसे असाध्य रोगों से बचा जा सकता है ,अभिभावक वर्ग को चाहिए कि वह अपने

बच्चों के साथ ओपन कम्युनिकेशन का माध्यम अपनायें ,उन्होंने यह भी कहा कैंसर पीड़ित के साथ सहानुभूति और प्रेम पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। जिससे कैंसर पीड़ित जल्दी ही इस रोग से मुक्त हो सके।डॉ.मनीषा टंडन अपने वक्तव्य में कहती हैं कि महिलाओं में दो प्रकार के कैंसर होने की संभावना होती है बच्चेदानी का कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर जिसके लिए नियमित दिनचर्या, नियमित जीवन शैली अपनाना चाहिए और सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन भी महिलाए कर सकती हैं।

कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए कैंसर सर्वाइवर प्रो. बृजेंद्र सिंह प्राचार्य महात्मा गांधी पी.जी. महाविद्यालय फतेहपुर ने बताया की कैसे उन्होंने कैंसर जैसे असाध्य रोग से मुक्ति पाई। उन्होंने बताया कि पहले वह भी तंबाकू का सेवन करते थे किंतु कैंसर होने के पश्चात उन्होंने तंबाकू का पूर्ण रूप से बहिष्कार किया और पूर्ण आत्मविश्वास के साथ चिकित्सकों की देखभाल में नियमित दिनचर्या और नियमित दवा आदि के माध्यम से उन्होंने इस कैंसर जैसे असाध्य रोग से लड़ कर अपने जीवन में सकुशल लौट आए। उन्होंने विद्यार्थी वर्ग से,युवा वर्ग से अपील की कि आज वह शपथ लें कि वह किसी भी प्रकार का तंबाकू अल्कोहल नशा से संबंधित पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे। यदि वह अपने घर परिवार से प्रेम करते हैं तो सर्वप्रथम अपने शरीर का अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में आए हुई महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरी किन्नर अखाड़ा टीना मां ने कहा कि सरकार के साथ हमारी भी भागीदारी है अपने समाज को ,अपने राष्ट्र को, अपने परिवार को तंबाकू से मुक्त करें और कैंसर जैसे भयावह रोग से मुक्त हो। उन्होंने यह भी अपील की कि सनातन धर्म में कुछ तथ्यों को गलत तरीके से समाज में प्रसारित किया जा रहा है ।उसे भी दूर करके कैंसर जैसे रोगों से मुक्त हुआ जा सकता है। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) के समाज शास्त्र विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ.मनोज कुमार यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि कुछ कठोर कदम उठाए जिससे युवा वर्ग नशे से मुक्त हो सकें।

इसके पश्चात श्री राजेन्द्र मिश्र ने भी वक्तव्य दिया। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ.पीयूष मिश्र ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। संस्कृत विभाग की अतिथि प्रवक्ता डॉ. प्रिया झा ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस कार्यक्रम के अवसर पर प्रो. बृजेंद्र सिंह ,डॉ. विक्रम शुक्ल, डॉ. एकता चतुर्वेदी,डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, अनिल मिश्र, राकेश यादव, शिव प्रसाद गिरि , विनय पाण्डेय बालकृष्ण शुक्ल अनिकेत स्माइल फाउण्डेशन एवं प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय से डॉ.प्रवीण कुमार द्विवेदी , डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. कविता गौतम , डॉ.आनंद त्रिपाठी,डॉ.गरिमा सिंह ,डॉ. अखंड प्रताप पाल, डॉ. अनुज कुमार ,डॉ.मनोज यादव ,डॉ.लवकुश पाण्डेय डॉ सच्चिदानंद मिश्र आदि उपस्थित रहें।

जगदलपुर की काव्य गोष्टी संपन्न

जगदलपुर। शहर समता विचार मंच.जगदलपुर की महिला काव्य गोष्ठी..सतरूपा मिश्रा के संयोजन मे..प्रदेशाध्यक्ष शोभा त्रिपाठी जी एवम् स्मृति मिश्रा षीति ष्की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि...समाज सेविका एवम् कवयित्री शैल दुबे एवं विशिष्ट अतिथि सुचिता सामंत जी रहीं।

यह काव्य गोष्ठी शाम 4 बजे से शाम 7.बजे तक चली जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि शैल दुबे ...द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति ...कवियित्री मंजू तिवारी.. द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन गीता शुक्ला ने किया। इस काव्य गोष्ठी में.शैल दुबे ,गीता शुक्ला ,सतरुपा मिश्रा ,डालेश्वरी पांडे, ज्योति चौहान,मंजू तिवारी, सुचिता सामंत, तूलिका शर्मा, सुकांति जैसवाल सुषमा सामंत,वंदना राठौर ,घ्तु द्विवेदी ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें सभी रचनाकारों ने .एक से बढ़कर एक काव्य का पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन सतरूपा मिश्रा ने किया।

दोहा
(आग उगलता आसमाँ)

समझाया ज्यों सूर्य ने, गर्मी का विज्ञान।
दोपहरी लम्बी हुई,लू की खुली दुकान। ।

तपन सूर्य की देखकर ,कहने लगे हजूर।
छाँव ढूँढती छाँव को,छाँव हुई काफूर।।

गर्मी की ही देन है, अरु सूरज अनुराग।
धूप शरारत कर रही, बरस रही है आग।।

हर मौसम में धूप का,है अपना ही रंग।
जाड़े में बनकर दवा,करे ग्रीष्म में तंग। ।

धूप चटक हो ज्येष्ठ में, पी समुद्र का नीर।
ऋतु वर्षा का प्राण बन, हरे धरा का पीर।।

समझाएगा कौन अब,कौन सुनेगा पीर।
हाथ मिलाकर धूप से,बदले दिखे समीर।।

आग उगलता आसमाँ, गर्म हवा का दाँव।
पथिक ढूँढता वृक्ष को,वृक्ष ढूँढते छाँव। ।

गर्म हवाएँ चल रहीं,जूझ रहे हैं पात।
जंगल से ज्यों–ज्यो हुए, गायब वृक्ष–जमात। ।

राहत अब मिलती नहीं,नीर पियो या सूप।
खूब तपाती दुपहरी,सुबह काटती धूप।।

लू से ही शिक्षित हुए, गर्मी के अंगार।
लूट रहे हैं बाग का, हरा–भरा संसार। ।

काबलियत गायब हुई,धरा रह गया ज्ञान।
गर्मी की डिग्री बढ़ी,हाँफ रहा इन्सान। ।

लू के बढ़ते वेग से,गर्म हुआ जब जून।
ढूँढ रहे मच्छर मियाँ,घर–घर ठण्डा खून। ।

साली जी ने ज्यों किया,मुझसे प्रेम–प्रणाम।
जेठ दुपहरी शाम बन,बनी पूष का घाम।।

मौसम के अनुरूप ही,साली का हर रंग।
मधुवन की तस्वीर बन, अंतस भरे उमंग।।

गुलदस्ता है प्रेम का,साली मिलन प्रसंग।
मीरा जिसके मूल में,भरे मधुवनी रंग।।

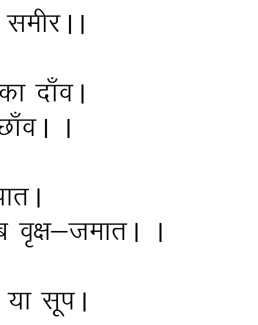

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
प्रयागराज

नौतपा: 24 घंटे में आठ मरीजों ने अस्पताल में दम तोड़ा

स्वास्थ्य महकमें में मची खलबली, बोलने से बच रहे जिम्मेदार
हीट स्ट्रोक वेब की चपेट में जनपद, नहीं रुक रहा मौत का सिलसिला

प्रतापगढ़। जनपद हीट स्ट्रोक के कहर की चपेट में है। पिछले चौबीस घंटे में जिला अस्पताल में भर्ती आठ मरीजों ने दम तोड़ दिया। इन मौतों से स्वस्थ महकमे में अफरा तफरी मच गई है। डाक्टरों के अनुसार मरने वालों में अधिकांश तेज बुखार की चपेट में थे। मरने वालों के अलावा काफी संख्या में बुखार की चपेट में आए मरीजों को प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। शुकवार को भी लू की चपेट में आने वाले मरीजों को रेफर करने का सिलसिला जारी रहा। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलली अंतू शैफुल निशा, इशमतुल, मेहरू निशा, बदलू व रियाज सभी कोतवाली नगर, माध ुरी और किताबुन निशा लीलापुर को पिछले चौबीस घंटे में राजा प्रताप बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। डाक्टरों के अनुसार मरने वालों की उम्र 55 से 90 साल की है। इस बारे में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सौभाग्य प्रकाश का कहना है कि इस समय लू चल रही है। तापमान 47 डिग्री तक चल रहा है। अस्पताल में बुखार और लू की चपेट में आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इलाज का दौरान लोगों की मौत भी हो रही है। कोतवाली नगर भंगवा चुंगी के रहने वाले ननचू ने बताया कि उसके पिता को तेज बुखार था। अस्पताल वालों ने प्रयागराज रेफर कर दिया।

बुजुर्गो पर अधिक अटैक–

हीट स्ट्रोक का असर बुजुर्ग पर अधिक हो रहा है। मरने वालों में अधिकांश मरीज इसी उम्र के थे। डाक्टरों के अनुसार बुखार तेज होने पर बुजुर्गो में सांस की समस्या बढ़ जाती है। वे ठीक से सांस नहीं ले पाते हैं। उनकी मृत्यु हो जाती है।

दस बजे लगता है दोपहर हो गई है–

आजकल सुबह सात बजे के बाद धूप इतनी तेज हो जाती है कि लगता है कि दोपहर हो गई है। तापमान अधिक होने से सड़कें जलने लगती हैं। कूलर और एसी इस गर्मी में असर नहीं कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री कहते हैं कि सुबह दस बजे के बाद हो सके तो घरों से न निकले। शाम को पांच बजे के बाद ही निकलना उचित होगा।

सपा कार्यालय पर अहिल्याबाई होलकर की मानयी गई 299वीं जयंती

प्रतापगढ़। शहर के मीराभवन स्थित सपा कार्यालय पर शुक्रवार को राजमाता अहिल्याबाई होलकर की 299वीं जयंती मानयी गयी। सपा पदाधिकारियों ने राजमाता के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया और गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंड़ी गांव में मांकोजी शिंदे की पुत्री के रूप में हुआ था। 12 साल की उम्र में उनका विवाह मराठा साम्राज्य के सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव होलकर के साथ हुआ था। उन्होंने माहेश्वर को राजधानी बनाकर शासन किया। अहिल्याबाई होल्कर ने विधवा महिलाओं और समाज के लिए कई काम किये। उन्होंने समाज सेवा के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। अहिल्याबाई हमेशा अपनी प्रजा और गरीबों की भलाई के बारे में सोचती थी। इसके साथ ही वह गरीबों और निर्धनों की हरसंभव मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती थी। उन्हें अपनी प्रजा की सेवा के साथ मंदिरों के निर्माण और जीर्णोद्धार के लिए भी जाना जाता है। अहिल्याबाई होल्कर ने काशी के विश्वनाथ मंदिर, पुराने सोमनाथ मंदिर और अयोध्या के राम मंदिर के साथ ही कई मंदिर और धर्मशालाएं बनवाई। इस अवसर पर अब्दुल कादिर जिलानी, आशुतोष पाण्डेय, अनिल यादव, जावेद अख्तर, के0 के0 पाल, रमेश पाठक, पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष मनीष पाल, सयुस जिलाध्यक्ष संजीव पटेल, अश्वनी सोनी, निसार अहमद, अंकुर मौर्या, विनय सिंह, सुशील पाल, सौरभ पाल, इमरान, लालसाहब सिंह, राजेश पाल, राकेश पाल, अहमद अली, अब्दुल हई, मो0 अफसर, विजय बहादुर पाल, रवि पाल, राजकुमार विश्वकर्मा, अनिल गौतम, असलम खान, प्रदीप यादव, राजकुमार प्रजापति सहित पार्टी के अन्य लोग उपस्थित रहे।

जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने पत्रकारों को किया सम्मानित

प्रतापगढ़। हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश भर के 101 पत्रकारों को जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने डिजिटल सम्मान पत्र से सम्मानित किया है। एक वर्चुअल बैठक के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध यक्ष डा0 अनुराग सक्सेना ने

कहा कि जन सरोकार की पत्रकारिता ही पत्रकार को समाज में पहचान दिलाती है। समाचार की विश्वसनीयता और उसका उद्देश्य ही पत्रकार की पहचान होता है। उन्होने कहा कि वर्तमान समय के पत्रकार आज जनकल्याण के मुद्दे उठाकर सरकार का ध्यान उस तरफ आकर्षित करें ताकि लोगों को समस्याओं से निजात मिल सके। उन्होंने कहा कि हमें अपने पत्रकार दायित्व का निर्वाह करते समय इस बात का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा समाज और राष्ट्र को कोई नुकसान न पहुंचे। चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता समाज का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है। डॉ0 सक्सेना ने कहा कि 21वीं सदी की पत्रकारिता बहुत कठिन दौर से गुजर रही है। देश के अंतिम पायदान पर खड़े हुए व्यक्ति तक पहुंचाना पत्रकार की जिम्मेदारी बनती है। पत्रकारों को समय समय पर समाज की परेशानियों व समस्याओ के साथ अपनी समस्याओ को भी उठाना चाहिए। जिससे वह शासन प्रशासन के संज्ञान मे आये और उसके निराकरण के लिए शासन प्रशासन उचित कदम उठाए। इस मौके पर दर्जनों पत्रकार मैजूद रहे।

नशा करना सेहत के लिए ठीक नहीं–एडीजे

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर किया जागरुक

प्रतापगढ़। रानीगंज तहसील क्षेत्र के डॉ0 रामचंद्र शुक्ल विधि महाविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध ा दिवस विषय पर शुक्रवार को जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अपर जिला जज सुमित पंवार ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई 1987 से प्रति वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दुनियां भर में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य तंबाकू सेवन से होने वाले नुकशान से लोगों को जागरूक करना है। एडीजे ने महाविद्यालय में पौध ारोपण भी किया। रानीगंज तहसील स्थिति लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया। चिकित्साधिकारी पट्टी डॉ0 ज्ञानेंद्र कुमार मौर्या ने कहा कि नशे के कारण युवावस्था में ही लोग कैंसर, लीवर, फेफड़े की गंभीर बीमारी से ग्रसित होते जा रहे है। हर वर्ष लाखो लोगो की मृत्यु तंबाकू और नशीले पदार्थो के सेवन के कारण हो रही है। स्वस्थ समाज के निर्माण में हम सभी को मिलकर तंबाकू सेवन को रोकने के लिए ठोस प्रयास करना होगा। नायब तहसीलदार कृपाशंकर यादव ने नशे के दुष्प्रभाव और उसके बचाव के विषय में जानकारी दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुनील कुमार पांडेय ने महाविद्यालय छात्र छात्राओं व प्राधि ाकरण के सचिव के साथ रैली निकालकर लोगो को तंबाकू मुक्त राष्ट्र निर्माण के लिए जागरूक किया। शिविर का संचालन पीएलवी महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर पीएलवी विशाल त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, दिनेश मिश्र, सुरेंद्र सरोज, गिरीश पांडेय, जुल्फिकार, लालबहादुर पटेल उपनिरीक्षक रामनारायण यादव व विधि महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

एसपी चुनाव में व्यवस्त, एएसपी ने सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। लोकसभा चुनाव के बाद मतों की गणना में सुरक्षा व्यवस्था की व्यस्तता के चलते जनसुनवाई एसपी सतपाल अंतिल के बजाए एएसपी संजय राय कर रहे हैं। चुनाव में व्यस्तता के चलते कुछ दिन जन सुनवाई बंद थी। अब एएसपी जनसुनवाई कर रहे हैं। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग न्याय पाने के लिए एसपी दफ्तर पहुंचे। लोगों की शिकायतों को सुनते हुए एएसपी ने संबंधि त थानों के जिम्मेदारों को गुण दोष के आधारी पर मामले को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

मौसम का कुचक्र

मौसम बदल रहा!
तपती धरती आग उगल रही,
लोग प्रकृति को आरोपित करते, ...

..असहनीय गर्मी की बातें,
कौन सुनने वाला यहां,
सभी कान बंद किया जहां,
जब हम स्वयं जिम्मेदार यहां
,
कोई दूसरा नहीं कसूरवार।

मौसम बदल रहा!
तपती धरती आग उगल रही,
कोई पर्वतों पर जा रहा,
कोई ऐसी में बैठ रहा,
सड़के, मकान, पुल, हाईवे,
मनुष्य की सुविधा के लिए,
पर मनुष्य को संतोष कहां,
और –और की चाह जहां
मौसम बदल रहा!
'डॉ सीमा अग्रवाल'

संक्षिप्त

आशा बहू ने सीएचसी अधीक्षक पर अभद्रता का लगाया आरोप, डीएम से की शिकायत

प्रतापगढ़, रानीगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रानीगंज में शुक्रवार को मीटिंग के दौरान आशा बहू ने अधीक्षक पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए डीएम से लिखित शिकायत की है। रानीगंज तहसील के मिसिद्दीपुर निवासिनी सुनीता राय पत्नी संजय राय शिवगढ़ ब्लाक क्षेत्र में आशा बहू हैं। शुक्रवार को रानीगंज सीएचसी में मीटिंग के लिए क्षेत्र के लिए सभी आशा बहुओं को बुलाया गया था। सीएचसी अधीक्षक ने सुनीता राय से काम के बावत स्पष्टीकरण मांगा। बोले एएनएम की शिकायत की हो। अधीक्षक ने थप्पड़ मारने की धमकी देते हुए मीटिंग से भगा दिया। इस दौरान सीएचसी में जमकर हंगामा भी हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। सुनीता का आरोप है कि एएनएम प्रतिभा व उपसना दोनों अधीक्षक की सह पर कभी भी एएनएम केन्द्र पर नहीं रहती हैं। जिसकी वजह से मरीजों को जिला अस्पताल जाना पड़ता है। दोनों एएनएम की सुनीता द्वारा शिकायत अधीक्षक को अच्छा नहीं लगा। एएनएम की शिकायत से खार खाए अधीक्षक ने मेरे साथ अभद्रता करते हुए मीटिंग से भगा दिया। आशा बहू सुनीता राय ने मामले को डीएम संजीव रंजन से लिखित शिकायत करते हुए आवश्यक कार्यवाही की मांग की है।

रोडवेज डिपो में आयोजित समारोह में दी भावभीनी विदाई

प्रतापगढ़। रोडवेज डिपो में तैनात जूनियर फोरमैन शिव प्रकाश सिंह 34 वर्ष की सेवा करने के उपरांत शुक्रवार का सेवा निवृत्त हो गये। श्री सिंह के सम्मान में रोडवेज डिपो परिसर में विदाई व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यूनियन के पदाधिकारियों ने श्री सिंह के द्वारा रोडवेज के विकास व यात्रियों की सुविधा के लिए किए गये कार्यों की सराहना की। विदाई समारोह की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, चीफ गेस्ट निर्मल कुमार व विशिष्ट अतिथि प्रमोद कुमार तिवारी की मौजूदगी में कार्यक्रम संपंन हुआ। सेवा निवृत्त श्री सिंह को विशिष्ट गिफ्ट देकर भावभीनी विदाई दी। उन्होंने सेवा कार्य के दौरान अपने अनुभव साझा किये। इस मौके पर रोड़वेज संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्र कुमार सिंह, सुरेश चंद्र पांडे, मनोज कुमार शुक्ल, कैलाश मिश्र, लाल प्रताप सिंह, जेपी शर्मा, उमेश श्रीवास्तव, रत्नाकर त्रिपाठी, रामेश्वर प्रसाद शर्मा समेत अन्य साथी कर्मचारी मौजूद रहे।

रेल गाड़ियों के उद्घोषक हेड टीटी राजेश की हुई भव्य विदाई

प्रतापगढ़। रेल गाड़ियों के आने जाने की उद्घोषणा करने वाले हेड टीटी राजेश प्रताप सिंह शुक्रवार से सेवा निवृत्त हो गये। उनके सम्मान में स्टेशन परिसर में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सेवा के दौरान रेलवे की प्रगति के लिए उनके द्वारा किये गये कार्यों व अपनी मनमोहक आवाज से यात्रियों को रेल गाड़ियों के आने जाने के लिए सचेतक के रूप में साथी कर्मचारियों ने उनकी भूरि–भूरि सराहना की। विदाई समारोह की अध्यक्षता वाणिज्य निरीक्षक डी0 डी0 शुक्ल व संचालन मो0 अफजल ने किया। इस मौके पर मुख्य टिकट निरीक्षक राकेश सिंह, नीरज सोमवंशी, स्टेशन अधीक्षक शमीम अहमद, अब्दुल रशीद, मो0 शरीफ, मो0 शरीफ खान, विपिन कुमार शर्मा, रवि कुमार, अनिल कुमार, श्रीराम सिह यादव, जितेंद्र कुमार, एम0 के0 कश्यप, राजेश गुप्ता, मंजीत चौधरी, बी0 बी0 शुक्ल, अनिल कुमार मिश्र समेत बड़ी संख्या में साथी कर्मचारी मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए लगाया फुहारा

प्रतापगढ़, कुंडा। बिहार उपकेंद्र पर विद्युत उपभोक्ताओं को अघोषित कटौती से बचाने के लिए बिजलीकर्मी हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नौ दिन के नौतपा में पड़ रही भीषण गर्मी की वजह से बिजली की खपत बढ़ने से रोज कही न कही ट्रांसफार्मर ब्लास्ट हो रहा है। बिहार उपकेंद्र पर लगे 5 एमबीए और 10 एमबीए के दोनों ट्रांफार्मर को गर्म न हो इसके लिए ट्रांसफार्मर पर पानी का फुहारा लगाया गया है। जिससे कि ट्रांसफ़ार्मर ठंडा रहे और ब्लास्ट न हो। ताकि उपभोक्ताओं को इस भीषण गर्मी से बचाया जा सके। इस तरह की चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में आमजनमानस को निर्बाध रोस्टर के हिसाब से बिजली देने के लिए बिजली कर्मचारी किसी योद्धा से कम काम नही कर रहे हैं। जोकि अपनी परवाह न करे बिना आमजनमानस की सेवा में तत्पर है। इसके बावजूद लोड बढ़ने से बिजली आपूर्ति बाधित होने पर उपभोक्ताओं के गुस्से का शिकार भी हो रहे हैं। ट्रांसफार्मर फूंकने से बचाने के लिए बिजली कर्मियों ने फुहारा लगाकर अनोखी पहल की है।

घरों में रहे लोग अनावश्यक बाहर न निकलें, सीएचसी अधीक्षक ने दी सलाह

प्रतापगढ़, कुण्डा। भीषण पड़ रही गर्मी जानलेवा हो रही है। दिनोदिन बढ़ रहा तापमान चिंता के साथ स्वास्थ्य के लिए भी चुनौती बन गया है। गुरुवार को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस जा पंहुचा जिसके चलते दोपहर के समय आसमान से आग बरसने जैसे थी। सड़को पर हर जगह सन्नाटा छाया रहा। वहीं जिन इलाकों मे विजली कटौती हुयी उनकी तो दुश्वारी बढ़ गयी। कुंडा इलाके के लोग गर्मी की मार से परेशान हैं। गुरुवार को तापमान 47 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बढ़ते तापमान को देखते हुए कुंडा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डा0 राजीव तिवारी ने लोगों से कहा कि 10 बजे दिन के बाद से 5 बजे तक यदि आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। पेय पदार्थो जैसे नीबू पानी, शिकंजी, बेल का शरबत, गन्ने का जूस आदि का प्रयोग करे। पुरी बाँह का कपड़ा पहने और सिर को ढँक कर रखे। इसके साथ ही छोटे बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा का ध्यान रखें। पक्षियों के लिए पानी रखवाये ताकि उनकी भी रक्षा हो सके। यदि हीट स्ट्रोक के शिकार होते है तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर सम्पर्क करे साथ ही ग्लूकोज का सेवन करें। इस बार रिकार्ड तोड़ गर्मी अपने पूरे रौद्र रूप में पड़ रही है।

समर कैंप में ष्मां का आंचलष् निबंध प्रतियोगिता में लाजू अव्वल

गरीब बच्चों के लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप की अनोखी पहल

प्रतापगढ़। बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के निशुल्क फ्री स्टडी सेंटर पर चल रहे फन समर कैंप के तीसरे दिन शुक्रवार को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बाजी मारी। छात्र फिसड्डी निकले। मां का आंचलष् शीर्षक पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में लाजू विश्वकर्मा ने पहला, प्रिया ने दूसरा और सिमरन प्रजापति ने तीसरा स्थान हासिल किया। सेंटर की टीचर दामिनी ने तीनों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में नकद पुरस्कार भी है। जो कैंप के अंतिम दिन दिया जायेगा। प्रतियोगिता दस नंबर की थी। जिसमें लाजू ने सर्वाध िक आठ अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रिया को छः और सिमरन को पांच अंक मिले हैं। कैम्प जरूरतमंद छात्रों के लिए ही चलाया जा रहा है। जिसमें उनको अपना हुनर दिखाने का मौका दिया जा रहा है। जो जिस विधा में जीतेंगे उन्हें आगे भी बड़े मंचों पर मौका मिल सकेगा। कैम्प में बच्चे बढ़ चढ़कर कर हिस्सा ले रहे हैं। संचालन हिमांशु ने किया।

संक्षिप्त

पाकिस्तान ने चीन की मदद से बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह प्रक्षेपित किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को अपने मित्र देश चीन की मदद से तीव्र इंटरनेट संपर्क के लिए एक बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह प्रक्षेपित किया। पाकिस्तान द्वारा एक महीने में प्रक्षेपित किया गया यह दूसरा उपग्रह है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह को पाकसैट एमएम1 के नाम से भी जाना जाता है। इसे चीन के दक्षिण–पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। एजेंसी ने बताया कि उपग्रह योजना के तहत कक्षा में स्थापित किया गया। सरकारी प्रसारक पाकिस्तान टेलीविजन ने एक बयान में कहा कि यह उपग्रह ''पूरे पाकिस्तान में सर्वोत्तम इंटरनेट सुविधाएं प्रदान करेगा'' तथा टेलीविजन

प्रसारण, मोबाइल फोन और ब्रॉडबैंड सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा। अंग्रेजी अखबार 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, उपग्रह अगस्त में सेवा प्रदान करना शुरू कर देगा। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस पाकिस्तान की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कि उन्हें उम्मीद है कि यह उपग्रह पूरे देश में सबसे तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक होगा। पिछले सप्ताह एक बयान में पाकिस्तान के स्पेस ऐंड अपर एटमोस्फियर रिसर्च कमीशन (सुपार्को)ने कहा था कि उपग्रह का प्रक्षेपण राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम 2047 का हिस्सा है। प्रक्षेपण स्थल पर मौजूद योजना मंत्री अहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान जल्द ही अपने प्रक्षेपण केंद्रों से उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा।

गाजा की जंग में चीन भी कूदा, बुलाया मुस्लिम देशों का सम्मेलन

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना का आह्वान दोहराया और गाजा में लोगों के लिए अधिक मानवीय सहायता का वादा किया, क्योंकि उन्होंने गुरुवार को बीजिंग में अरब देशों के नेताओं के साथ एक शिखर सम्मेलन खोला। चीन ने लंबे समय से फिलिस्तीनियों का समर्थन किया है और कब्जे वाले क्षेत्रों में बस्तियों को लेकर इजरायल की निंदा की है और इजरायल के साथ आर्थिक संबंध साझा करने के बावजूद, हमास द्वारा 7 अक्टूबर के हमले की आलोचना नहीं की है। शी ने चीन–अरब राज्य सहयोग मंच का उद्घाटन करते हुए एक भाषण में कहा कि पिछले अक्टूबर से, फिलिस्तीनी–इजरायल संघर्ष काफी बढ़ गया है, जिससे लोगों को भारी पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है।

पूरी तरह से पलट जाएगा अमेरिका का चुनाव, दोषी पाए गए ट्रंप मुकाबले से बाहर हो जाएंगे ? फिर से बाइडेन सरकार चलाएंगे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। हश मनी मामले में डोनाल्ड ट्रंप दोषी करार दिए गए हैं। ट्रंप सभी 34 मामलों में दोषी करार हुए हैं। 11 जुलाई को अब सजा पर सुनवाई होगी। डोनाल्ड ट्रंप दोषी ठहराए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। डेनिल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार रुपए दिए गए। डेनिल्स को चुप कराने और बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी का मामला था। ट्रंप के खिलाफ ये मामला 2016 में राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। कोर्ट ने 6 हफ्ते में स्टॉर्मी डेनिल्स के साथ 22 गवाहों को सुना। 12 मेंबर की ज्यूरी ने ट्रंप को दोषी करार दिया है। सजा पर 11 जुलाई को सुनवाई होगी। ट्रंप ने फैसले को अपमानजनक बताया है।

ट्रंप पर लगे कौन कौन से आरोप

बिनजेन रिकॉर्ड दिखाने

गलत चेक साइन करने

वकील कोहेन की कंपनी में जमा गलत बिल से जुड़े

गलत दस्तावेज जमा करने के लिए

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का क्या होगा

ट्रंप के ऊपर फैसला आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप क्या अब राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने रहेंगे? अमेरिकी संविधान के हिसाब से देखें तो अभी फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप के लिए कोई दिक्कत नहीं है। अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए केवल तीन योग्यताएं निर्धारित करता हैरू उनकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए, प्राकृतिक रूप से जन्मा नागरिक होना चाहिए और कम से कम 14 वर्षों से अमेरिका में रहना चाहिए। न तो कोई आपराधिक दोषसिद्धि और न ही जेल की सज़ा ट्रम्प को अपने अभियान को आगे बढ़ाने से अयोग्य ठहराएगी। भले ही ट्रंप जेल चले जाएं, जिसकी संभावना कम है, क्योंकि उन्हें एक अहिंसक अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है, वह पहली बार अपराधी हैं और बुजुर्ग हैं, फिर भी वह चुनाव प्रचार कर सकेंगे और राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकेंगे।

फैसले पर ट्रंप का आया रिएक्शन

ट्रंप ने उनके खिलाफ फैसला सुनाए जाते ही कहा कि यह शर्मनाक है। यह एक विवादित न्यायाधीश द्वारा की गई दोषपूर्ण, भ्रष्ट सुनवाई थी। उन्होंने कहा कि असली फैसला पांच नवंबर को लोग सुनाएंगे। वे जानते हैं कि यहां क्या हुआ और हर कोई जानता है कि यहां क्या हुआ। उन्होंने कहा कि मैं निर्दोष हूं। मैं अपने देश के लिए लड़ रहा हूं। मैं अपने संविधान के लिए लड़ रहा हूं। हमारे पूरे देश में इस समय धांधली हो रही है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि बाइडन प्रशासन ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा किया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह शर्मनाक हैं और इसके खिलाफ हम लड़ते रहेंगे। हम अंत तक लड़ेंगे और हम जीतेंगे क्योंकि हमारा देश नरक में चला गया है।

2016 का मामला

ट्रंप द्वारा पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को धन दिए जाने का यह मामला 2016 का है। उस समय ट्रंप के पॉर्न स्टार के साथ संबंध होने की बातें सामने आई थीं और आरोप है कि उन्होंने इसे छिपाने के लिए स्टॉर्मी को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था। पूर्व राष्ट्रपति की कंपनी ने यह धन उनके वकील माइकल कोहेन को दिया था जिन्होंने ट्रंप की ओर से पॉर्न स्टार को इसका भुगतान किया।

कैंपेन पर पड़ेगा निगेटिव इम्पैक्ट

इसका प्रभाव पड़ेगा और एक उम्मीदवार के रूप में उन्हें नुकसान हो सकता है। युवा मतदाता और कॉलेज–छात्र हैं और उपनगरों में रहते हैं, वे ट्रम्प के आचरण और शासन करने के उनके दृष्टिकोण के बारे में चिंतित हैं। दोषी सिद्धि वाला फैसला उन चिंताओं को और बढ़ाने वाला है। अप्रैल में किए गए एक रॉयटर्स/इप्सोस सर्वेक्षण से पता चला कि दोषी पाए जाने पर चार में से एक रिपब्लिकन ट्रम्प को वोट नहीं देगा, जबकि 60 प्रतिशत इंडिपेंडेट लोगों ने कहा कि दोषी ठहराए जाने पर उनका वोट उनके खिलाफ हो जाएगा।

समय से पहले ही संसद भंग कर इजरायल में हो जाएगा चुनाव ?

इजरायल ने अमेरिका की अपील के बावजूद राफा में ऑपरेशन शुरू किया। नतीजतन, अमेरिका ने इजरायल के कुछ हथियारों की शिपमेंट रोक दी। लेकिन फिर भी इजरायल का स्टैंड जस का तस रहा। नेतन्याहू ने हमले में कोई कमी नहीं रखी और अपना आक्रमक रवैया हमास के प्रति जारी रखा। लेकिन अब इजरायल की सियासत में एक नया ट्विस्ट देखने को मिल रहा है। इजरायल में समय से पहले चुनाव कराने की मांग उठने लगी है। इजरायली मध्यमार्गी पार्टी ने संसद को भंग करने के लिए प्रस्ताव रख दिया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि क्या हमास ने इजरायल की सियासत में फूट करा दी है। इजरायली युद्ध कैबिनेट मंत्री बेनी गैंट्ज़ की सेंट्रिस्ट पार्टी कहा कि उन्होंने संसद को भंग करने और शीघ्र चुनाव कराने के लिए एक विधेयक प्रस्तुत किया है। नेशनल यूनियन पार्टी की प्रमुख पनीना तमानो–शता ने 25वें नेसेट को भंग करने के लिए एक विधेयक पेश किया है। राजनीतिक दल ने एक बयान में कहा कि नरसंहार के एक साल बाद, अक्टूबर से पहले चुनाव के लिए व्यापक समझौते पर आगे बढ़ने के पार्टी नेता मंत्री बेनी गैंट्ज़ के अनुरोध का पालन करता है।

अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री शरीफ, CPEC के दूसरे चरण को शुरू करने पर होगी चर्चा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक हालात किसी से छिपे हुए नहीं है। यहां महंगाई ने सभी सीमाएं तोड़ दी हैं। इस बीच, इस्लामाबाद एक बार फिर अपने दोस्त बीजिंग के साथ नजदीकियां बढ़ाने लगा है। दरअसल, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे। विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को एलान किया की शरीफ मंगलवार को चीन की यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा पांच दिवसीय होने वाली है। बता दें, दोनों देश अरबों डॉलर के चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत सहयोग को उन्नत करना चाहते हैं। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने बताया कि शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन में रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाना है, क्योंकि दोनों पक्ष परियोजना के दूसरे चरण को शुरू करने के लिए तत्पर हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी आगामी चीन यात्रा को लेकर शुक्रवार को इस्लामाबाद में एक बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने चीनी कंपनियों को पाकिस्तान में उद्योग स्थापित करने को प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही आश्वासन दिया गया कि पाकिस्तान चीनी उद्योगपतियों और निवेशकों को हर संभव सुविधाएं प्रदान करेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री को चीन की यात्रा की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान चीनी शहर शेनझेन की यात्रा के दौरान पाकिस्तान के उद्योगपतियों, निवेशकों और उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी उनके साथ होगा।प्रतिनिधिमंडल चीनी व्यापार समुदाय से मुलाकात करेगा और दोनों देशों के बीच व्यापार–से–व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा करेगा।

भारत के गैंगस्टर हिमांशु भाऊ के साथी को अमेरिका में हिरासत में लिया गया, रंगदारी के मामलों में है वांछित

वॉशिंगटन। भारत के भगोड़े गैंगस्टर हिमांशु भाऊ के एक सहयोगी साहिल कुमार को अमेरिका की एजेंसियों ने हिरासत में लिया है। एजेंसी द्वारा हिरासत में लिए गए अपराधी की भारत वापसी के लिए कोई कदम उठाने से पहले उसकी पहचान सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस बात का भी पता चला है कि हिमांशु भाऊ के साथ साहिल कुमार नाम का शख्स विदेश से रंगदारी का काम करता था। साहिल कुमार को कई मामलों में हरियाणा पुलिस ने वांछित करार दिया है।

सीबीआई को सौंपी जाएगी जांच

अधिकारियों ने आगे बताया कि साहिल कुमार की पहचान करने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मामले की जांच सौंप दी जाएगी। इस मामले में सीबीआई द्वारा वांछित अपराधी साहिल कुमार को भारत लाने के लिए अमेरिका की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। अमेरिका की एक अदालत के फैसले के बाद हिरासत में लिए गए वांछित अपराधी को भारत लाया जाएगा।

साहिल के खिलाफ इंटरपोल ने जारी है रेड कॉर्नर नोटिस

साहिल कुमार के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया हुआ है। रेड कॉर्नर नोटिस के अनुसार 196 सदस्य देशों में अगर कहीं भी वांछित अपराधी को देखा जाता है, तो उसे हिरासत में लिया जाता है। इसके बाद उस देश को इसकी जानकारी दी जाती है, जिसने रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

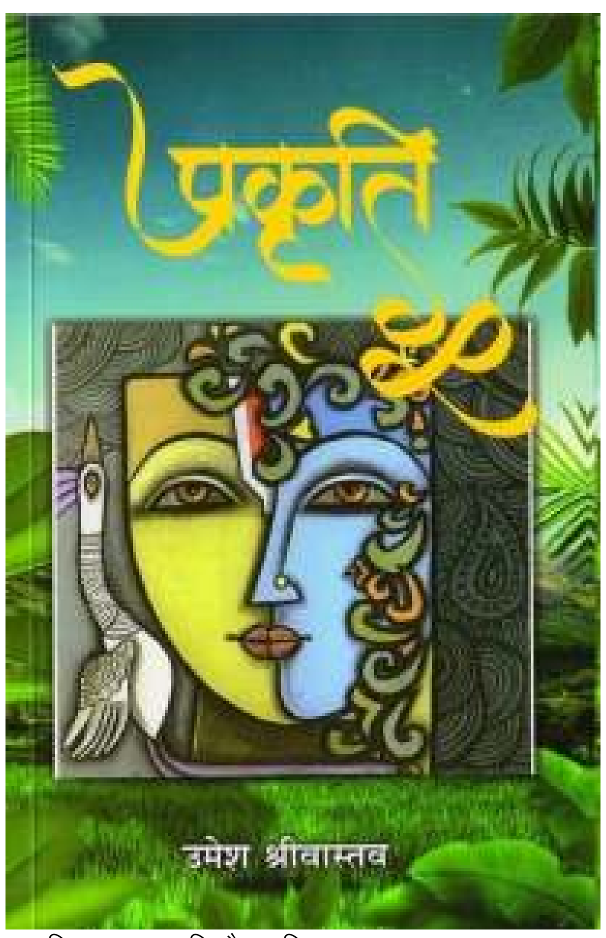

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

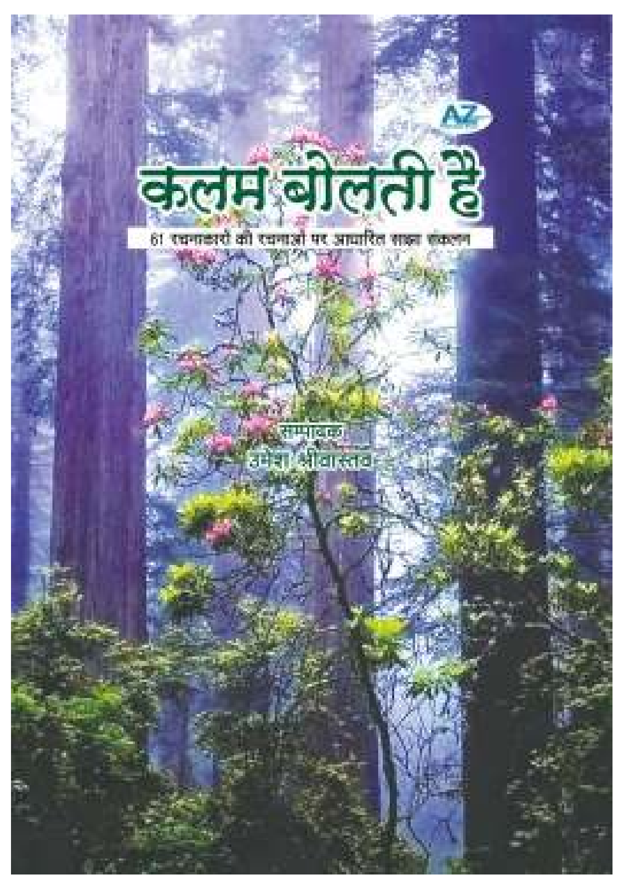

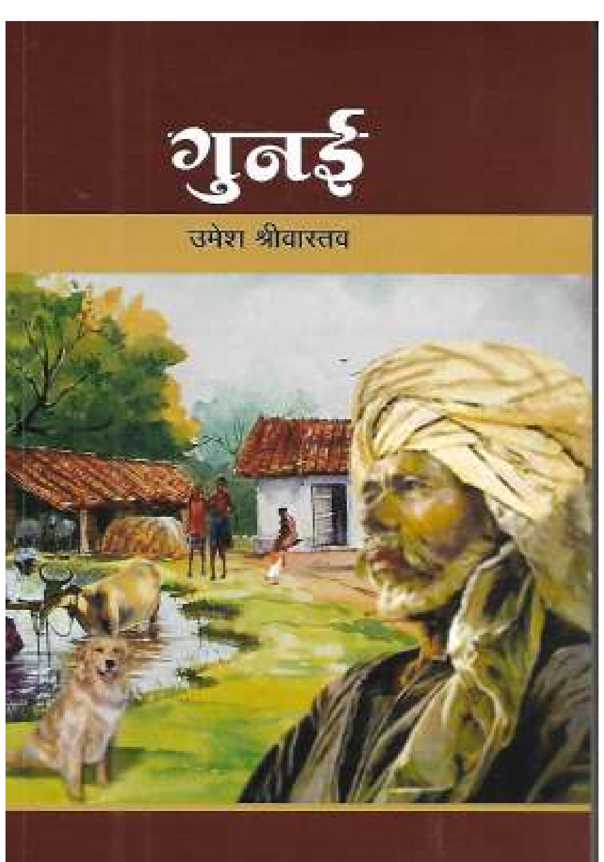

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

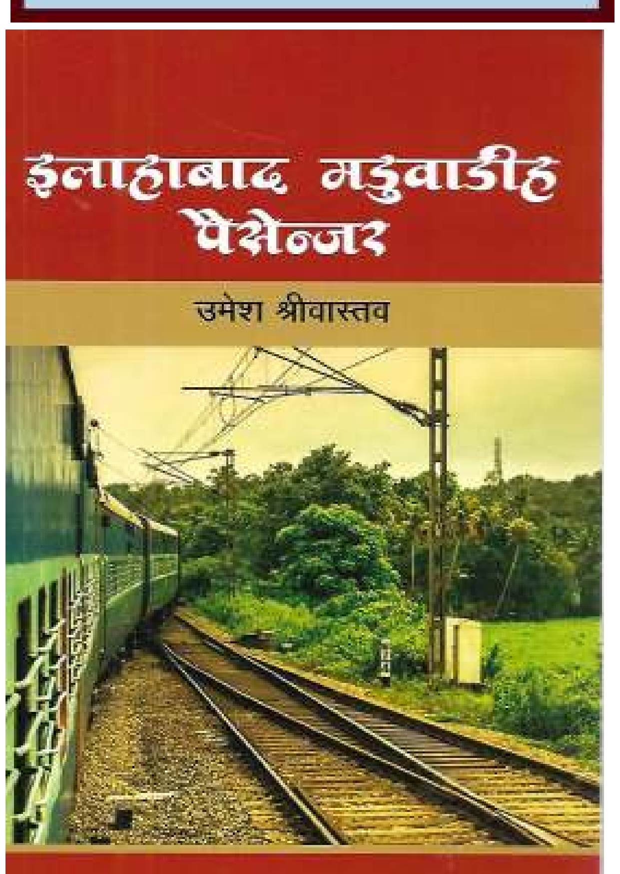

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

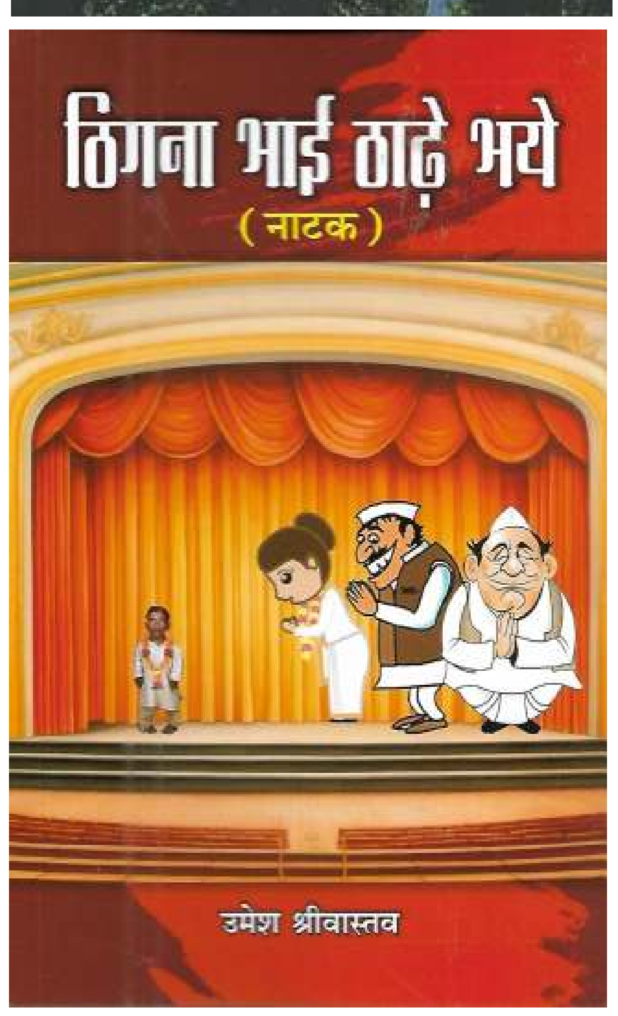

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)